वर्ष-14 - अंक 141
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
सोमवार,31 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

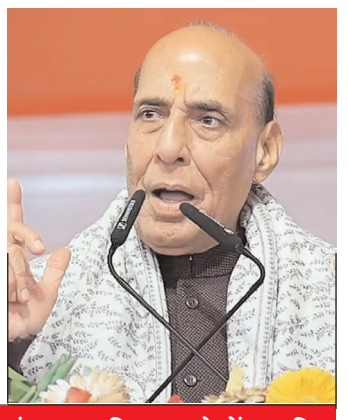

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर, चेन व मोबाइल लूट 3

प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र से कृषकों की जरूरत के अनुरूप 4

जंतर-मंतर जनचेतना का आधुनिक प्रतीक, समाज मुद्दों के आधार पर 08

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया डब्ल्यूएचओ

1.5 लाख डॉलर की आपात सहायता जारी

काठमांडू(एजेंसी)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और उससे हुई व्यापक तबाही के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए आपात सहायता जारी की है। डब्ल्यूएचओ ने बाढ़ प्रभावित समुदायों की तत्काल स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय स्वास्थ्य आपातकालीन कोष से 1 लाख 50 हजार डॉलर की राशि जारी की है। संगठन ने कहा है कि यह सहायता प्रभावित इलाकों में जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने और राहत एवं बचाव कार्यों को गति देने में मदद करेगी। डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. नीलेश बुद्धा ने कहा कि आपातकालीन फंड से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की तत्काल प्राथमिकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ राहत और पुनर्वास के प्रयासों में नेपाल को लगातार सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ के कुछ घंटों के भीतर ही प्रभावित क्षेत्रों के लिए जरूरी चिकित्सकीय सामग्री भेजी गई थी। इसमें

इंटरएजेंसी इमरजेंसी हेल्थ किट भी शामिल थी। यह किट करीब 10 हजार लोगों की तीन महीने तक की स्वास्थ्य जरूरतें पूरी करने में सक्षम है। इसके अलावा प्रभावित लोगों के लिए बहुउद्देश्यीय टेंट भी भेजे गए हैं। बाढ़ से स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते दबाव को देखते हुए डब्ल्यूएचओ ने सर्जिकल मास्क, दस्ताने, हैंड सैनिटाइजर और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री भी जुटाई है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल में बाढ़ और उसके बाद आई तबाही में अब तक 730 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं और 74 लोगों का इलाज चल रहा है। राहत एवं बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में अभियान चला रहे हैं। बागमती और गंडकी प्रांत के छह जिलों में बाढ़ का सबसे ज्यादा असर पड़ा है। इन इलाकों में करीब 10 हजार परिवारों को तत्काल राहत की आवश्यकता बताई गई है। बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में मकान और अन्य ढांचे क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिससे कई परिवार बेघर हो गए हैं। बाढ़ से स्वास्थ्य व्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे अधिक प्रभावित रसुवा जिले में चार स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह तबाह हो गए हैं, जबकि धादिंग जिले में दो स्वास्थ्य केंद्रों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। सड़कें और संपर्क मार्ग टूटने के कारण धादिंग और त्रिशूली के दो अस्पतालों तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। डब्ल्यूएचओ नेपाल सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बहाल रखने और जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटा है। संगठन का जोर इस समय उन इलाकों पर है, जहां बाढ़ के कारण स्वास्थ्य ढांचा सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। बाढ़ के बाद प्रभावित क्षेत्रों में कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ गई हैं। डूबने और चोट लगने के मामलों के अलावा डायरिया, सांस संबंधी संक्रमण, दूषित पानी और भोजन से होने वाली बीमारियों तथा मच्छरों से फैलने वाले रोगों का खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाढ़ के बाद दूषित पानी और स्वच्छता की कमी के कारण संक्रामक बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। ऐसे में साफ पानी, स्वच्छ भोजन, दवाओं और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बेहद जरूरी हो गई है। बाढ़ की त्रासदी का असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, जबकि कई परिवारों के घर और रोजगार बाढ़ में तबाह हो गए हैं। ऐसे लोगों में मानसिक तनाव, चिंता और असुरक्षा की भावना बढ़ने की आशंका है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि राहत कार्य केवल चिकित्सा सामग्री उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रभावित लोगों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर' में महिला पायलटों और सैनिकों ने निभाई अहम भूमिका : राजनाथ

लखनऊ(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की महिलाएं आज सेना, पुलिस, विज्ञान, खेल, शिक्षा और प्रशासन समेत हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रक्षा मंत्री रविवार को लखनऊ में वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की वीरांगनाओं ने रणभूमि में शौर्य दिखाने के साथ ही शासन और प्रशासन में भी अपनी क्षमता साबित की है। आज देश की महिलाएं सियाचिन की ऊंचाइयों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूत कर रही हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह नए भारत की नारी शक्ति है, जो हर क्षेत्र में आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही है। महिलाओं को अधिक आत्मविश्वासी और सशक्त बनाने के लिए सरकार उन्हें अधिकार, अवसर, सुरक्षा और सम्मान उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूलों के दरवाजे छात्राओं के लिए खोले गए हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

उन्होंने कहा कि भारत की वीरांगनाओं ने रणभूमि में शौर्य दिखाने के साथ ही शासन और प्रशासन में भी अपनी क्षमता साबित की है। आज देश की महिलाएं सियाचिन की ऊंचाइयों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूत कर रही हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह नए भारत की नारी शक्ति है, जो हर क्षेत्र में आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही है। महिलाओं को अधिक आत्मविश्वासी और सशक्त बनाने के लिए सरकार उन्हें अधिकार, अवसर, सुरक्षा और सम्मान उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

और 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण को गौरव का अवसर बताते हुए कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने जिस साहस और वीरता के साथ अंग्रेजों का मुकाबला किया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार देश के महान नायकों और वीरांगनाओं की विरासत को सम्मान देने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने का लगातार प्रयास कर रही है। लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर पीएसी की बटालियनों का नाम रखा गया है। इसी क्रम में बदायूं में रानी अवंतीबाई लोधी के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का गठन किया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का इतिहास रानी अवंतीबाई लोधी से लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे महान व्यक्तित्वों के योगदान से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि युवाओं के आदर्श और प्रेरणास्रोत देश के भीतर से होने चाहिए। नई पीढ़ी को उन महान व्यक्तित्वों के बारे में जानना चाहिए, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि देश अपने नायकों को पहचाने, उनका सम्मान करे और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाए। अतीत की वीरता की कहानियां वर्तमान पीढ़ी में आत्मविश्वास पैदा करने के साथ भविष्य के लिए मार्गदर्शन भी देती हैं।

संक्षिप्त खबरें

स्विट्जरलैंड में रेव पार्टी के दौरान गोलीबारी, एक की मौत, पांच घायल

आरौ। स्विट्जरलैंड के आरौ शहर में रविवार तड़के एक रेव पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी से इलाके में सनसनी फैल गई। शाचेन क्षेत्र में हुई इस वारदात में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलीबारी की घटना रविवार तड़के करीब 2:30 बजे हुई। आर्गौ कैंटोनल पुलिस ने घटना में एक व्यक्ति की मौत और पांच लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि बड़ी संख्या में मौजूद लोगों के बीच कई राउंड फायरिंग की गई। गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस की भारी टीम मौके पर पहुंची। हॉर्स रेसिंग ट्रैक, स्विमिंग पूल और आसपास के खेल मैदानों को पुलिस ने अपने घेरे में ले लिया। एहतियात के तौर पर लोगों से शाचेन इलाके में जाने से बचने की अपील की गई है।

नेपाल पहुंचा भारतीय फोरेंसिक दल, नेपाली टीम संग मिलकर करेगा काम

काठमांडू। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने काठमांडू पहुंचे भारतीय फोरेंसिक टीम से मुलाकात की। ये दल नेपाल की टीम संग मिलकर त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान करने में मदद करेगी। इस आपदा के बाद भारत सहित कई देशों के परिवार अपने लापता परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेपाल स्थित भारतीय दूतावास की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल पहुंचे भारतीय फोरेंसिक टीम के सदस्यों से मुलाकात की। ये टीम अपने नेपाली समकक्षों के साथ मिलकर फ्लैश फ्लड का शिकार हुए लोगों के शवों की पहचान में मदद करने के लिए डीएनए नमूनों का मिलान करेगी। वहीं, राजदूत श्रीवास्तव की एक्स पोस्ट के मुताबिक, 'राहत सामग्री लेकर पहुंची चौथी फ्लाइट में आए भारतीय फोरेंसिक टीम के सदस्यों से काठमांडू में मुलाकात की। वे अपने नेपाली समकक्षों संग मिलकर रसुवा में आई भयानक बाढ़ के दौरान जान गंवाने वालों के डीएनए सैंपल का मिलान करेंगे। भारत से 11 टन राहत सामग्री लेकर चौथी फ्लाइट रविवार को नेपाल पहुंची। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि भारतीय वायुसेना का सी-130 विमान राहत सामग्री के साथ नेपाल पहुंच गया है।

आरक्षण विवाद पर तेजस्वी का एनडीए पर हमला

बोले- दम है तो आरक्षित सीट छोड़कर सामान्य सीट से लड़ें

पटना(एजेंसी)। बिहार में आरक्षण की समीक्षा को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और एनडीए के सहयोगी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में आरक्षण समाप्त करने की ताकत किसी में नहीं है। तेजस्वी ने एनडीए नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें हिम्मत है तो वे अपनी आरक्षित सीटों से इस्तीफा देकर सामान्य सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं। मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि आरक्षण को समाप्त करने की कोशिश करने वालों को जनता जवाब देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस आरक्षण के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपना रहे हैं। एक ओर आरक्षण का लाभ लिया जा रहा है और दूसरी ओर इसकी

समीक्षा की बात कही जा रही है। तेजस्वी ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान का नाम लेते हुए कहा कि ये नेता आरक्षित सीटों से चुनाव लड़ते रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आरक्षण व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं तो ऐसे नेताओं को आरक्षित सीटों का लाभ छोड़कर सामान्य सीट से चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा, आरएसएस और एनडीए के कई सहयोगी दल आरक्षण को लेकर जनता के सामने स्पष्ट रुख नहीं रख रहे हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि कुछ नेता आरक्षण का लाभ भी लेते हैं, सत्ता में मंत्री पद हासिल करते हैं और बाद में आरक्षण की समीक्षा की बहस में शामिल हो जाते हैं। तेजस्वी यादव ने वर्ष 2015 में तत्कालीन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ओर से आरक्षण की समीक्षा की बात का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय बिहार की जनता ने इसका जवाब दिया था। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मौजूदा विवाद के पीछे भाजपा की भूमिका है और पार्टी पर्दे के पीछे रहकर पूरे घटनाक्रम को देख रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा यह जानने की कोशिश कर रही है कि आरक्षण के मुद्दे पर जनता की प्रतिक्रिया क्या है। पानी में कंकड़ डालकर उसकी लहर देखने की तरह यह राजनीतिक प्रयोग किया जा रहा है। राजद नेता ने एनडीए नेताओं पर समाजहित के बजाय सत्ता और सुविधाओं की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं को पद, बंगला और सुरक्षा की चिंता है, लेकिन सामाजिक न्याय के मुद्दे पीछे छूट गए हैं। तेजस्वी ने कहा कि आरक्षण केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग आरक्षण समाप्त करने की बात करने वालों के साथ खड़े हैं, उन्हें जनता के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि आरक्षण समाप्त करना किसी के लिए आसान नहीं है और सामाजिक न्याय के इस अधिकार की रक्षा के लिए राजद लगातार आवाज उठाता रहेगा।

पंचकूला में सीएम नायब सैनी ने कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ सुनी 'मन की बात'

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर सेक्टर-1 स्थित रेड बिशप के कन्वेंशन हॉल में कार्यक्रम के प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई थी, जहां मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम को देखा। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के नागरिकों से संवाद स्थापित करते हैं और प्रेरणादायक कहानियों, नवोन्मेषी विचारों तथा सकारात्मक बदलाव लाने वाली जन-नेतृत्व वाली पहलों को सांझा करते हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को सामने लाने के साथ-साथ नागरिकों को

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। 'मन की बात' में उठाए गए विषयों और जनहित से जुड़ी पहलों के साथ सार्थक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों और प्रेरणादायक संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर पंचकूला के मेयर श्यामलाल बंसल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन बंतो कटारिया, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे, भाजपा नेता कृष्ण ढुल, पार्षदगण, पार्टी कार्यकर्ता तथा भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

एससी-एसटी कानून के तहत मामला दर्ज कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे सरकार : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उत्तराखंड के हल्द्वानी में कथित तौर पर किए गए 'शुद्धिकरण' की घटना को लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के साथ उसकी जाति के आधार पर इस प्रकार का व्यवहार करना केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि भारत के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और

सामाजिक समानता की भावना का अपमान है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस गंभीर मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले में राजनीतिक चुप्पी साधने के बजाय कानून के अनुसार तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'देश का संविधान हर नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है। ऐसे में किसी व्यक्ति के साथ जाति के आधार पर भेदभाव करना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। यदि देश के एक प्रमुख राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ खुलेआम ऐसा व्यवहार किया जा सकता है, तो आम दलित, गरीब और वंचित व्यक्ति की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित कर रही सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर(एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां एपिसोड सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, नशा मुक्त युवा सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर बात रखी। साथ ही, देश के विभिन्न इलाकों के लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से भी रूबरू करवाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक छोटा आइडिया बड़े बदलाव का कारण बन सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते

हुए कहा कि अपने विचारों और नवाचारों को आगे बढ़ाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। उन्होंने महिला सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में लगभग 46 प्रतिशत यानी 35 लाख से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं, जो अपने छोटे व्यापार को बड़े कारोबार में तब्दील कर रही हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान में जिस प्रकार युवाओं की भागीदारी देखने को मिल रही है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में भी युवा आगे बढ़कर भाग ले रहे हैं और विशेष पहलों के जरिए मिसाल कायम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार मातृशक्ति के लिए कल्याणकारी योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जन-धन खाते, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश की महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है।

उमा भारती के आरक्षण बयान से बुंदेलखंड में गरमाई सियासत: क्या हमीरपुर बनेगी अगली चुनावी जमीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और झांसी से पूर्व सांसद व भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती के आरक्षण को लेकर दिए गए हालिया बयान ने

बुंदेलखंड के राजनीतिक गलियारों में एक नई हलचल पैदा कर दी है। उनके इस वक्तव्य को सामाजिक समीकरणों को साधने के साथ-साथ बुंदेलखंड की चुनावी राजनीति में उनकी संभावित वापसी से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, भाजपा की ओर से उमा भारती की उम्मीदवारी को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

उमा भारती का बुंदेलखंड से गहरा नाता रहा

वर्ष 2014 में झांसी लोकसभा सीट से जीत हासिल कर उन्होंने मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री की जिमेदारी संभाली थी। इसके बाद 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में झांसी सीट से भाजपा के अनुराग शर्मा लगातार दो बार विजयी रहे। झांसी में अनुराग शर्मा की मजबूत पकड़ के कारण अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि यदि उमा भारती पुनः चुनावी मैदान में उतरती हैं, तो उनके लिए हमीरपुर सीट सबसे मुफीद विकल्प हो सकती है।

हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र में लोधी मतदाताओं का दबदबा माना जाता है

2024 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी अजेंद्र सिंह लोधी ने भाजपा के पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को मात्र 2,629 वोटों के बेहद मामूली अंतर से हराया था। 2024 में जालौन, बांदा और हमीरपुर जैसी सीटें गंवाने के बाद भाजपा के लिए हमीरपुर सीट रणनीति का केंद्र बिंदु बन गई है। ऐसे में यदि पार्टी हमीरपुर से किसी बड़े लोधी चेहरे पर दांव खेलने का मन बनाती है, तो उमा भारती की दावेदारी सबसे मजबूत बनकर उभर सकती है। इसमें पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत जैसे क्षेत्रीय दिग्गजों के साथ पुराने राजनीतिक समीकरणों की भूमिका भी अहम होगी। उमा भारती की बुंदेलखंड में सक्रियता का असर केवल एक सीट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनके लोधी समाज में प्रभाव और पुराने संपर्कों से पूरे क्षेत्र के चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि, असल तस्वीर आने वाले समय में भाजपा की रणनीति और खुद उमा भारती के अगले कदमों से ही साफ हो पाएगी।

अखिलेश यादव ने बहनों का त्योहार भी घोटाले में बदल दिया: ओपी राजभर

अंबेडकर नगर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर की ओर से जेपीएनआईसी को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा गया। आईएएनएस से बातचीत करते हुए जेपीएनआईसी को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, 'अखिलेश यादव को पहले यह बताना चाहिए कि जेपीएनआईसी जनता के लिए बनी इमारत थी या सैफई के लिए कोई प्राइवेट बंगला। शुरू में इस प्रोजेक्ट की लागत 200 करोड़ रुपये बताई गई थी, लेकिन इस पर 865 करोड़ रुपये खर्च हुए। जनता के टैक्स के पैसे का गलत इस्तेमाल और बंटवारा इसका एक नया उदाहरण है। योगी सरकार ने इसे पीपीपी मॉडल के तहत फिर से जनता के लिए खोलने का फैसला

किया है। इसीलिए उन्हें परेशानी हो रही है।' ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा, 'इनके (अखिलेश यादव) राज में पूर्वांचल के गरीब बच्चों इंसेफेलाइटिस से जान चली जाती थी। अब 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त इलाज किया जा रहा है। अखिलेश यादव को पता नहीं है कि 2016 की तुलना में डकैती 90 प्रतिशत, लूट 85 प्रतिशत, हत्या 47 प्रतिशत और दुष्कर्म की घटनाएं 53 प्रतिशत घट गई हैं। अखिलेश यादव के राज में हर जिले में एक माफिया होता था। अब माफियाओं की संपत्ति जब्त की जा रही है। ओपी राजभर ने आगे कहा, 'अखिलेश यादव के राज में लाल टोपी वाले थाने में कब्जा करते थे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसों की दो घटनाओं में पांच लोग घायल

ग्रामीणों ने पकड़ी टक्कर मारने वाली प्राइवेट एंबुलेंस

कोंच (जालौन)- क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दंपत्ति समेत पांच लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम कवारी थाना नदीगांव निवासी रवि यादव अपने साथी सचिन पाल के साथ शनिवार की शाम साइकिल पर सवार होकर खेत पर जा रहे थे। कोंच-नदीगांव सड़क मार्ग पर मोतीलाल के घर के सामने जैसे ही दोनों पहुंचे तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक प्राइवेट एंबुलेंस ने दोनों को कुचलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हादसे के बाद चालक एंबुलेंस लेकर भागने लगा जिसे ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ लिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए कोंच के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि पुलिस ने एम्बुलेंस अपने कब्जे में ले ली। थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी का कहना है कि तहरीर मिलने पर चालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं दूसरी घटना में मालवीय नगर कोंच निवासी अंजनी अहिरवार ((48) अपनी पत्नि शशि (45) और बुआ रमा देवी (65) के साथ बाइक से शनिवार की रात करीब 9 बजे उई से वापस कोंच लौट रहे थे। हुल्का देवी मंदिर के निकट पेट्रोल पंप के सामने पीछे से आ रही एक कार ने टक्कर मारकर तीनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

23 घंटे बाद कुआनो नदी से निकला आदर्श का शव, परिजनों के आरोपों ने बढ़ाई जांच की गंभीरता

सर्च ऑपरेशन में 30 वीं वाहिनी पीएसी के गोताखोरों को मिली सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केगौर थाना क्षेत्र के केकरहवा घाट पर कुआनो नदी में डूबे वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव निवासी 22 वर्षीय आदर्श यादव का शव करीब 23 घंटे बाद शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद कर लिया गया। 30वीं वाहिनी पीएसी के गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद नदी से शव को बाहर निकाला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर मौजूद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आदर्श की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सुबह लाइब्रेरी जाने के लिए निकला था आदर्श परिजनों के मुताबिक आदर्श यादव गुरुवार की सुबह घर से गणेशपुर स्थित लक्ष्य लाइब्रेरी जाने के लिए निकला था। सुबह करीब 11 बजे उसकी अपने पिता राम विलास यादव से फोन पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत के दौरान आदर्श ने पिता को बताया था कि वह लक्ष्य लाइब्रेरी पहुंच गया है। इसके बाद दोपहर में परिजनों को सूचना मिली कि आदर्श कुआनो नदी में डूब गया है।बताया जा रहा है कि इससे पहले आदर्श को वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के सिकटा के पास एक चाय की दुकान पर दो युवकों और एक युवती के साथ देखा गया था। इसके बाद वह वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी विकास और विशाल के साथ नदी किनारे पहुंचा था।

नदी किनारे मिला मोबाइल, कपड़ा और जूता आदर्श के नदी में डूबने की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों को नदी किनारे उसका मोबाइल फोन, कपड़े और जूते मिले। बताया गया कि घटना के बाद विकास और विशाल मौके से चले गए। इसको लेकर मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आदर्श के पिता राम विलास यादव ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर विकास और विशाल पर साजिश के तहत आदर्श को नदी में धक्का देने का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है और अभी इनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय गोताखोरों से लेकर पीएसी तक चला अभियान घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय गोताखोरों और फायर विभाग की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। लगातार तलाश के बावजूद पहले दिन आदर्श का पता नहीं चल सका। शुक्रवार को 30वीं वाहिनी पीएसी के गोताखोरों ने अभियान को आगे बढ़ाया और करीब 23 घंटे बाद नदी से आदर्श का शव बरामद कर लिया। हादसे के बाद से गौर थानाध्यक्ष अतुल कुमार अंजान लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहे और सर्च ऑपरेशन की निगरानी करते रहे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी जांच आदर्श की मौत हादसा है या इसके पीछे कोई साजिश है, यह अब जांच का अहम सवाल बन गया है। परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होने में मदद मिलेगी कि आदर्श की मौत डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

नाली जाम होने पर बाजार में भरा पानी जन प्रतिनिधि लापरवाह लोगों की बढ़ी मुश्किल

नाली की सफाई न होने से सर्विस रोड पर जलभराव, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में अधिकारी एवं जन प्रति निधि की लापरवाही देखने को मिल रहा कसानगंज विकासखंड अंतर्गत महराजगंज ओवरब्रिज के बगल स्थित सर्विस रोड पर नाली की नियमित सफाई न होने से बारिश का पानी सड़क पर जमा हो गया है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सर्विस रोड पर जगह-जगह पानी भर गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नालियों में गंदगी और कचरा जमा होने के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पा रहा है। ऐसे में थोड़ी सी बारिश के बाद ही सर्विस रोड पर जलभराव की स्थिति बन जा रही है। सड़क पर पानी जमा होने से पैदल गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी फिसलन का खतरा बना हुआ है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि सड़क किनारे बनी नालियों की समय से सफाई नहीं होने के कारण जलनिकासी बाधित हो रही है। यदि नालियों की नियमित सफाई कराकर जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाए तो बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से काफी हद तक राहत मिल सकती है। महराजगंज ओवरब्रिज के समीप सर्विस रोड पर जलभराव की यह तस्वीर जलनिकासी व्यवस्था की बदहाली को साफ तौर पर बयां कर रही है। जिम्मेदार विभाग की ओर से नालियों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है, ताकि राहगीरों को आवागमन में परेशानी न उठानी पड़े।

दादा तेजभान सिंह की जन्मजयंती पर गूंजी 'दादा के राम' कथा की भक्तिमय ध्वनि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जामों (अमेठी)। स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह, पूर्व विधायक गौरीगंज, की जन्मजयंती के अवसर पर ग्राम अचलपुर, जामों में आयोजित 'दादा के राम' कथा में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा में भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला एवं राज्य मंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने सम्मिलित होकर व्यास पीठ पर विराजमान पूज्य मुकेश आनंद जी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त किया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, जे. पी. एस. राठौर सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्यजन, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया और भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।कथा के दौरान व्यास पीठ से भगवान श्रीराम के चरित्र, उनके आदर्श, मर्यादा, त्याग, सत्य और लोककल्याण के संदेशों पर प्रकाश डाला गया। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु रामभक्ति में लीन नजर आए। आयोजन स्थल पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि समाज और क्षेत्र के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी जन्मजयंती पर आयोजित यह रामकथा उनके विचारों, संस्कारों और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि 'दादा के राम' कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और संस्कारों से जोड़ने का माध्यम है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन 'सबके राम-हे राम' के भावपूर्ण उद्घोष के साथ हुआ। आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और रामभक्ति का संदेश प्रसारित किया।

नहर में तैरती मिली अर्धनग्न लाश, हत्या कर फेंके जाने की आशंका

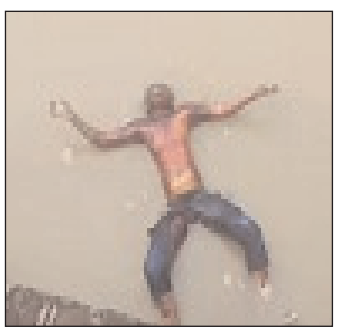

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के रुधौली थाना क्षेत्र के विशुन पुर के पास गुजर रही सरयू नहर खंड-4 में शव मिलने का सिलसिला थमने का नहीं ले रहा नाम रुदौली पुलिस की गश्ती की पोल खुल रही हैं पुलिस सूचना देने पर काफी समय बाद पहुँची आसपास के लोगों में काफी विरोधाभास झेलना पड़ा लापरवाही के कारण घटनाएं आम हो गई हैं पुलिस व्यवस्था पर उठ रहा सवाल लेकिन अभी तक शिनाख्त नही हुआ ताजा मामला रुधौली के पैड़ा गांव के पास नहर में तैरता मिला 30 वर्षीय युवक का शव। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव कई दिन पुराना, हालत देखकर हड़कंप बताया जा रहा है कि शव सोनहा क्षेत्र से बहकर रुधौली तक पहुंचा।

बरसात में इसी नहर में पहले भी कई बार मिल चुके हैं संदिग्ध शव।सूचना पुलिस को कई घंटे पहले, फिर भी मौके पर नहीं पहुंची पुलिस। पुलिस की देरी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश, उठने लगे गंभीर सवाल उठ रहा है पुलिस सिस्टम लापरवाह हो गई जनता कैसे होगा बेड़ा पार पुलिस विभाग रास्ते से भटक गया अर्धनग्न अवस्था में शव मिलने से हत्या की आशंका को देखते हुए। नहर बना अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना या हादसों का खामोश गवाह। शव की पहचान और मौत की असली वजह अब पुलिस जांच से होगी साफ। बिशुनपुरवा पुलिस चौकी से नजदीक है जहां तैर रही युवक की लाश। रुधौली पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल क्यों नहीं पहुंची पुलिस।

वाल्टरगंज थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह को पुलिस लाइन में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के तेज तरार उप नि, सूर्य प्रकाश क्षेत्र के लोगों के दिलों मे अपनी जगह है चुके थे इनकी कार्य शैली की लो ग प्रशंसा करते थे उनका आकस्मिक चले जाना क्षेत्रीय जनता को अपार कष्ट हुआ। लोगों के दिल में बसे हुए थे दिनांक 29.08.2026 को समय करीब 13:00 बजे थानाध्यक्ष वाल्टरगंज, उ0नि0 श्री सूर्य प्रकाश सिंह मय हमराही पानी टंकी के पास आने के उपरांत अपने हमराही व चालक को सिविल लाइन चौकी पर जाकर वहीं रुकने की बात कह कर कचहरी के पास स्थित अपने आवास पर आराम करने की बात कर चले गये। शाम को हमराही और थाने के द्वारा बार-बार फोन करने पर काल नहीं उठाया जा रहा था जिसके संबंध में उनके हमराही द्वारा प्रभारी चौकी सीविल लाइन को बताया गया, जिस पर प्रभारी चौकी सीविल लाइन द्वारा थानाध्यक्ष वाल्टरगंज के साथ रह रहे उ0 नि0 बलराम से बात करके पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि वह अभी ड्यूटी से वापस आए तो दरवाजा अंदर से बंद पाए। जिस पर आवाज देकर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया। दरवाजा ना खुलने पर दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि थानाध्यक्ष वाल्टरगंज श्री सूर्य प्रकाश सिंह पीएनओ 882060072 पुत्र स्व0 उमाशंकर सिंह निवासी भीलमपुर छपरा थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ जी पंखे से फंदा लगाकर लटके हुए हैं। वह दिनांक 15.02.1988 को आरक्षी के पद पर नियुक्त हुए थे, दिनांक 07.09.2008 को हे0 का0 के पद पर एवं दिनांक 11.11.2016 को वरिष्ठ सूचि से उ0नि0 पद पर प्रोन्नत होकर अपनी सेवा दे रहे थे। पुलिस अधीक्षक बस्ती, अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण की उपस्थिति में पुलिस लाइन में दिवंगत उ0नि0 के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत शोक धुन के बीच उपस्थित अधिकारियों व जवानों द्वारा 'शोक सलामी' दी गई तथा वहाँ मौजूद शोक संतस परिजनों से मिलकर उन्हें ढाँढस बँधाया गया और सांत्वना दी गई तथा उनके पार्थिव शरीर को कंधा देकर विदा किया गया।

कार की टक्कर से दंपत्ति समेत नातिन घायल

कोंच (जालौन)- कस्बे में पंचानन के समीप कैलिया बाईपास मोड़ पर रविवार की दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार दंपति और उनकी नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई जिसके बाद घायलों को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया जहां से दंपत्ति को रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बड़ी कैलिया निवासी वसीर खां (72) पुत्र गोपाल खां अपनी पत्नी आशा बेगम (66) और नातिन शिफा के साथ बाइक से कोंच आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पंचानन के समीप कैलिया बाईपास मोड़ पर पहुंची, तभी सामने से आ रही एक कार से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर होने से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ी और उस पर सवार उक्त तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास मौजूद राहगीरों ने घायलों की मदद की और घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। जिसके बाद तीनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। गंभीर हालत होने पर दंपत्ति को मेडिकल कॉलेज उई रेफर कर दिया।

35 जगह मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में 1705 मरीजों का हुआ उपचार

पीएचसी कौवापुर में सीएमओ ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले में रविवार को आयोजित 35 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मेलों में कुल 1705 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। इनमें 696 पुरुष, 695 महिलाएं तथा 314 बच्चे शामिल रहे। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ही जांच, उपचार, दवा एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य मेलों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श दिया।

पीएचसी कौवापुर का सीएमओ ने किया निरीक्षण

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौवापुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण, जांच व्यवस्था एवं साफ-सफाई का निरीक्षण किया। सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को घर के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों के साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। पीएचसी कौवापुर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित कराने में डॉ. पंकज कुमार पाल (मेडिकल ऑफिसर), मायादेवी (स्टाफ नर्स), शीतला प्रसाद (वार्ड बॉय), प्रदीप सोनी (लैब टेक्नीशियन), हिमांशु (वार्ड बॉय), गीता देवी (एएनएम) एवं दिलीप कुमार सहित स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका रही। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित, महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में व समस्त क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एवं उनकी सुरक्षा एवं जागरूकता हेतु चलाये जा रहे बहू-बेटी सम्मेलन कार्यक्रम के तहत महिला थाना पुलिस द्वारा थाना मुंशीगंज अन्तर्गत ग्राम सरायखेमा में, थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा ग्राम सनहा में, थाना फुरसतगंज पुलिस द्वारा ग्राम सरवन में, थाना कमरौली पुलिस द्वारा ग्राम सोना में, थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा ग्राम तिलोई में, थाना रामगंज पुलिस द्वारा ग्राम भागीपुर में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा ग्राम ऐंधी में चौपाल का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न प्रकार के महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध तथा उनसे बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। विभिन्न हेल्पलाइन नंबरो जैसे- 1930-साइबर हेल्पलाइन, 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 102 व 108-एम्बुलेंस सेवा,1076- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन आदि तथा थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी देकर जागरूक किया गया। चर्चा के दौरान गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध जैसे विषयों पर भी विस्तृत जानकारी देकर उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को पैम्फलेट वितरित किये गए।

क्षेत्रीय दबंग लेखपाल पर गलत रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ताजा मामला भानपुर तहसील के ग्राम सभा तेनुआ असनहरा से सामने आया है, जहां हल्का लेखपाल राम बहादुर यादव पर गलत एवं भ्रामक रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह करने और जनहित से जुड़े मामले में विधि-विरुद्ध कार्रवाई कराने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित लेखपाल द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों की निष्पक्ष जांच नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। मामला ग्राम सभा तेनुआ असनहरा स्थित खलिहान की गाटा संख्या 134 से जुड़ा है। अभिलेखों में करीब 80 एयर भूमि गांव समाज के खाते में दर्ज बताई जा रही है। आरोप है कि उक्त भूमि पर करीब 25 वर्षों से कुछ लोगों का अवैध कब्जा है। कब्जा हटाने के लिए उपजिलाधिकारी भानपुर और जिलाधिकारी बस्ती को 1 जून 2019 को शपथ पत्र के साथ प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद खलिहान की भूमि को खाली कराने का आदेश हुआ। शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान तत्कालीन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र पुत्र कालीदीन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे। आरोप है कि खलिहान में बने छप्पर और मकान को लेकर विवाद के बाद आगजनी का मुकदमा दर्ज कराया गया, जिसमें तिलकराम निषाद को जेल जाना पड़ा। बाद में एक अन्य मामले में भी विवाद बढ़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि खलिहान की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में लेखपाल राम बहादुर यादव द्वारा एक कब्जेदार महिला इंद्रावती पत्नी हीरालाल निषाद को अनुसूचित जाति एवं भूमिहीन बताते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसी रिपोर्ट के आधार पर उच्चाधिकारियों से आदेश कराए जाने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी प्रक्रिया के तहत अन्य कब्जेदारों के मकानों को हटाया गया, जबकि संबंधित महिला के कब्जे को लेकर अलग रुख अपनाया गया। इस पूरे मामले में लेखपाल की रिपोर्ट और उसके आधार पर हुई प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि रिपोर्ट में तथ्य गलत पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि लेखपाल राम बहादुर यादव के प्रभाव के चलते अब तक मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि राजस्व अभिलेखों, मौके की स्थिति, पूर्व में दी गई रिपोर्ट और प्रशासनिक आदेशों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। हालांकि, खबर लिखे जाने तक संबंधित लेखपाल और अन्य आरोपित पक्ष का पक्ष सामने नहीं आ सका है। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं संबंधित उच्चाधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

अमेठी के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम मोदी की 'मन की बात'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का रविवार को अमेठी जनपद के सभी बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से श्रवण किया। जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में जिले के विभिन्न बूथों पर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।जिला महामंत्री विषुभ मिश्रा, जिला मंत्री आशा बाजपेई, जिला प्रवक्ता चंद्र मौली सिंह, जिला उपाध्यक्ष हिंदेश सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष प्रभात शुक्ला सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मन की बात' कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं पूर्व जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी एवं दयाशंकर यादव ने भी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना।कार्यक्रम की 137वीं कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशा मुक्त भारत और महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक और प्रेरणादायी संदेश साझा करने का आह्वान किया।प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए बताया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी व्यवसाय से जुड़ी महिला उद्यमियों द्वारा अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आय में वृद्धि करने के प्रयासों की सराहना की।'मन की बात' में भारतीय इतिहास को तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी के लिए रोचक एवं आकर्षक बनाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री ने देशवासियों के अभिनव विचारों, नवाचार और सामूहिक सहभागिता को राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति बताया।अगस्त माह में देशभर में चले 'हर घर तिरंगा' अभियान और तिरंगे के प्रति जनभागीदारी का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों के उत्साह की सराहना की। 'सूर्यपथ तिरंगा' की अनोखी यात्रा तथा 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी के माध्यम से सामने आए जन-उत्साह को उन्होंने राष्ट्रप्रेम और एकजुटता का प्रेरक उदाहरण बताया भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराने के साथ-साथ सकारात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के पश्चात कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

एआई वाइस बॉट से मरीजों का फीडबैक लेगी योगी सरकार, स्वास्थ्य सेवाओं में होगा सुधार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए योगी सरकार तकनीक और नवाचार का इस्तेमाल बढ़ा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नोडल स्टेट हेल्थ एजेंसी 'साचीज' द्वारा एआई आधारित वाइस बॉट विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से आयुष्मान कार्डधारक मरीजों और उनके तीमारदारों से फोन पर सीधे इलाज और अस्पताल में मिले अनुभव का फीडबैक लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि एआई वाइस बॉट का उद्देश्य केवल मरीजों की राय लेना नहीं, बल्कि प्राप्त प्रतिक्रियाओं का तकनीकी विश्लेषण कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाना है। इसके जरिए अस्पतालों की निगरानी, शिकायतों के निस्तारण, ऑडिट और उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वाइस बॉट के माध्यम से इलाज करा चुके मरीजों से फोन पर पूछा जाएगा कि उन्हें आयुष्मान

योजना के तहत उपचार मिला या नहीं। इलाज के दौरान किसी प्रकार की परेशानी हुई या नहीं, अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं कैसी थीं और चिकित्सकों व कर्मचारियों का व्यवहार कैसा रहा, इसकी भी जानकारी ली जाएगी इसके अलावा मरीजों से यह भी पूछा जाएगा कि आयुष्मान योजना के तहत उपचार के बदले उनसे या उनके परिवार से कोई अनधिकृत शुल्क तो नहीं लिया गया। उपचार के बाद मरीज कितना संतुष्ट है, इसकी जानकारी भी फीडबैक के माध्यम से जुटाई जाएगी। इससे मरीजों की समस्याएं और उनका वास्तविक अनुभव सीधे स्वास्थ्य विभाग तक पहुंच सकेगा। साचीज की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि एआई आधारित व्यवस्था के जरिए बड़ी संख्या में मरीजों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का व्यवस्थित विश्लेषण किया जा सकेगा। यदि किसी मरीज द्वारा इलाज न मिलने, अनधिकृत शुल्क वसूले जाने, खराब व्यवहार या अन्य किसी समस्या की जानकारी दी जाती है, तो ऐसे मामलों को संबंधित टीमों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल सीमित संख्या में मरीजों से मैनुअल फोन कॉल के जरिए फीडबैक लिया जाता है, जिसमें अधिक समय और मानव संसाधन की आवश्यकता होती है। एआई वाइस बॉट के जरिए बड़ी संख्या में मरीजों तक पहुंचकर कम समय में अधिक फीडबैक जुटाया जा सकेगा। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से अस्पतालों की कमियों की पहचान कर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार किए जा सकेंगे।

उपमुयमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि एआई वाइस बॉट का उद्देश्य केवल मरीजों की राय लेना नहीं, बल्कि प्राप्त प्रतिक्रियाओं का तकनीकी विश्लेषण कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाना है। इसके जरिए अस्पतालों की निगरानी, शिकायतों के निस्तारण, ऑडिट और उपचार की गुणवाा को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वाइस बॉट के माध्यम से इलाज करा चुके मरीजों से फोन पर पूछा जाएगा कि उन्हें आयुष्मान योजना के तहत उपचार मिला या नहीं। इलाज के दौरान किसी प्रकार की परेशानी हुई या नहीं, अस्पताल में उपलध सुविधाएं कैसी थीं और चिकित्सकों व कर्मचारियों का व्यवहार कैसा रहा, इसकी भी जानकारी ली जाएगी इसके अलावा मरीजों से यह भी पूछा जाएगा कि आयुष्मान योजना के तहत उपचार के बदले उनसे या उनके परिवार से कोई अनधिकृत शुल्क तो नहीं लिया गया। उपचार के बाद मरीज कितना संतुष्ट है, इसकी जानकारी भी फीडबैक के माध्यम से जुटाई जाएगी।

12 सितंबर को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, सुलह-समझौते से निस्तारित होंगे वाद

लहरपुर सीतापुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश आशीष जैन के आदेशानुसार एवं सचिव अलोक यादव के निर्देशन मे 12 सितंबर 2026, शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में कोतवाली लहरपुर में पीएलवी रहमत अंसारी ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य एवं लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर के साथ-साथ जनपद के समस्त बाह्य न्यायालयों एवं तहसील स्तर पर भी किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के मामले, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक एवं श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जल बिल, राजस्व, किराया, सुखाधिकार, विशिष्ट अनुतोष तथा बैंकों के प्री-लिटिगेशन मामलों सहित विभिन्न सुलह योग्य मामलों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर किया जाएगा। पीएलवी रहमत अंसारी ने आम जनमानस एवं वादकारियों से अपील की कि वे अपने सुलह योग्य मामलों को संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रस्तुत कर राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं।

ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर, चेन व मोबाइल लूट में नाबालिग गिरफ्तार

.........मामले में चार आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल, तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पकड़ा 17 वर्षीय किशोर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कस्बे में एक होटल में आयोजित समारोह में शामिल होने गए ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन और गले की चेन लूटने के मामले में फरार चल रहे 17 वर्षीय नाबालिग को मोहनलालगंज पुलिस ने रविवार को पकड़ लिया। पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से नाबालिग को हिरासत में लिया है। मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है। पुलिस के मुताबिक, बीते सात अप्रैल को ज्वेलर्स हेमंत कुमार सोनी ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर बताया था कि एक समारोह में शामिल होने के दौरान उनकी लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन और गले की चेन लूट ली गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह, आर्यन सिंह, विशेष त्रिवेदी उर्फ राज पंडित और निखिल सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में रविवार को मोहनलालगंज पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से फरार चल रहे 17 वर्षीय नाबालिग को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घर से निकलीं युवतियां अचानक गायब, पुलिस महकमे में हड़कंप

✦रहस्य के साये में लापता हुई चार किशोरियां
✦दो सगी बहनों समेत चार लड़कियों के संदिग्ध हालात में लापता होने से मचा कोहराम
✦सीसीटीवी और सर्विलांस के सहारे तलाश में जुटी पुलिस की कई टीमें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। कोतवाली इलाके के रेवान गांव से दो सगी बहनों सहित चार किशोरियों और युवतियों के संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है। लापता होने वाली लड़कियों में शन्नो (22), सीमा (14), राबिया (15) और सईमा (16) शामिल हैं। शुरुआती छानबीन और सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने पर पता चला है कि ये सभी बस में सवार होकर कहीं बाहर निकली हैं और इस दौरान रामपुर मथुरा इलाके का एक युवक भी पुलिस के रडार पर आया है। परिवारों द्वारा घंटों की गई मशक्कत के बाद जब उनका कोई सुराग नहीं लगा, तो परिजनों ने स्थानीय कोतवाली में तहरीर दी जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आर्थिक तंगी के चलते काम की तलाश या अन्य किसी एंगल को ध्यान में रखते हुए पुलिस की टीमें पड़ोसी जनपदों के साथ-साथ गैर प्रांतों में भी दबिश दे रही हैं और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से उनकी तलाश में जुटी हैं। हलांकि सूत्रों के मुताबिक 4 में से दो बच्चियां वापस आ गयी है, बच्चियां वापस कैसे आई, समाचार लिखे जाने तक जानकारी नही मिल पाई है।

लापता किशोरियों की तलाश के लिए पुलिस की कई विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। आसपास के क्षेत्रों व तकनीकी साक्ष्यों की मदद से लगातार छानबीन की जा रही है, और जल्द ही सभी युवतियों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सीओ महमूदाबाद

दरगाह बड़े मखदूम साहब में दूसरे दिन हुए कार्यक्रम

बड़े मखदूम साहब के जीवन को समझने के लिए दिल कीट आंखों को खोलना होगा:- मुफ़्ती किताबुद्दीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। स्थानीय दरगाह आलिया सादिया हजरत बड़े मखदूम साहब में तीन दिवसीय 526 वें उर्स के दूसरे दिन रात में एक जलसे को संबोधित करते हुए मदरसा जामिया आरिफिया सैय्यद सरावा इलाहाबाद से आए मौलाना मुफ़्ती किताबुद्दीन ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने बुजुर्गों की तालीमात पर अमल करना चाहिए हजरत बड़े मखदूम साहब की जिंदगी को देखें और पढ़ें कि अल्लाह और उसके रसूल को किस दर्जे तक चाहा था जो आज उन्हें यह स्थान प्राप्त है। श्री किताबुद्दीन ने आगे कहा कि बड़े मखदूम साहब की जिंदगी को समझने के लिए दिल की आंखों को खोलना होगा और उनसे जुड़े हुए लोगों से सच्ची मोहब्बत करके उनके हालात को जानना होगा अल्लाह ने नबियों और रसूलों को दुनिया में भेजा कि मेरे पैगाम

को आम करो, नबियों के बाद औलिया अल्लाह ने इस काम को अंजाम देने के लिए अपनी पूरी जिंदगी उसी में लगा दी। जलसे की अध्यक्षता सज्जादा नशीन शोएब मियां ने की तथा विशेष रूप से जामिया आरिफिया के सरपरस्त मौलाना शेख अबू मोहम्मद एहसान उल्लाह सफ़वी मौजूद थे, संचालन का कार्य कारी हसन साकिब उस्मानी ने किया तथा जलसे का शुभारंभ सज्जादा नशीन के छोटे सुपुत्र हाफिज अरसलान हसनी ने तिलावत कुरान पाक से किया।इसके बाद दरगाह हजरत छोटे मखदूम साहब से गागर शरीफ सज्जादा नशीन शोएब मियां,सैय्यद मदनी मियां, सैय्यद शोएब बकाई की मौजूदगी में उठाया गया, गागर का रास्ते में कई जगहों पर स्वागत भी किया गया इसी क्रम में हजरत मखदूम बंदगी शाह के आस्ताने पर चादर पोशी दरगाह मतवल्ली इक़राम हुसैन की सरपरस्ती में की गई। इसके बाद पूरी रात कव्वाली हुई।इस मौक़े पर सज्जादा नशीन शोएब मियां, सैय्यद तरीक अहमद किरमानी, मौलाना हुसैन सईदी,मौलाना हसन सईदी सैय्यद सरावां इलाहाबाद,सैय्यद लईक अहमद किरमानी, सैय्यद मोईन अलवी सैय्यद हिलाल मुजीबी, सैय्यद लारैब अलवी, डॉक्टर कामिल सिद्दीकी, जावेद मुस्तफ़ा टीटू खान,हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसीआदि मौजूद रहे।

गरीबी और संघर्षों को पीछे छोड़ बसन्त कुमार कनौजिया ने हासिल की डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि

हरदोई के छोटे से गांव से निकलकर बाबासाहेब भीमराव अबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय तक का सफर, परिवार की पहली पीढ़ी ने हासिल की उच्च शिक्षा की यह उपलधि।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरदोई। कठिन आर्थिक परिस्थितियों, संघर्ष और सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते हुए हरदोई जिले के मूल निवासी बसन्त कुमार कनौजिया ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बसन्त कुमार कनौजिया मूल रूप से ग्राम करवा, पोस्ट मल्लावां, जनपद हरदोई के निवासी हैं। अत्यंत साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले बसन्त ने शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ अपने अध्ययन का खर्च निकालने के लिए कम उम्र से ही संघर्ष किया। उन्होंने कक्षा 10 से ही ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया था और अध्यापन के माध्यम से अपनी पढ़ाई जारी रखी। लगातार मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने बाबासाहेब भीमराव

अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से इतिहास विषय में परास्नातक (रू.), बी.एड. तथा इतिहास में एम.फिल. की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद इसी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग से पीएच.डी. का शोध कार्य पूरा किया। उनका शोध विषय '1900-1980' रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश में दलित समाज के सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के ऐतिहासिक विकास का अध्ययन किया गया है। 29 अगस्त 2026 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में उन्हें इतिहास विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D.) की उपाधि प्रदान की गई। बसन्त कुमार कनौजिया के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि वे अपने परिवार की पहली पीढ़ी के ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने उच्च शिक्षा के इस मुकाम तक पहुंचकर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की है। उनका कहना है कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है जो सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने का सपना देखते हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, शिक्षकों, शोध निर्देशक प्रो. वी.एम. रवि कुमार, विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी मित्रों, वरिष्ठजनों और शुभचिंतकों को दिया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में उनका मनोबल बढ़ाया और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बसन्त कुमार कनौजिया का कहना है कि, 'संघर्षों ने मुझे रोकने के बजाय और मजबूत बनाया। शिक्षा मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को समझने और सामाजिक न्याय के लिए कार्य करने का माध्यम है।' पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों, सामाजिक न्याय, शिक्षा और वंचित समाज के इतिहास के अध्ययन एवं लेखन को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया है।

आरएसएस प्रमुख के बयान पर भारतीय जन समाज पार्टी का हमला, श्वेत पत्र की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में दिए गए बयान को लेकर केंद्र सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा है। रविवार को जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि विदेश में संविधान की भाषा बोलना और देश में हिंदू राष्ट्र की विचारधारा को आगे बढ़ाना आरएसएस का दोहरा चरित्र दर्शाता है। बृजमोहन सिंह ने कहा कि भारतीय जन समाज पार्टी संविधान को देश की सर्वोच्च व्यवस्था मानती है। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों से है तथा किसी भी संगठन की विचारधारा को संविधान से ऊपर नहीं रखा जा सकता। उन्होंने आरएसएस से संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी स्पष्ट प्रतिबद्धता सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति देश के हित में नहीं है। सिंह ने कहा कि देश संविधान के

अनुसार चलेगा और सभी नागरिकों के अधिकारों एवं समानता की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आरएसएस की संपत्ति और फंडिंग पर श्वेत पत्र की मांग

भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरएसएस की वैधानिक स्थिति, संपत्तियों और वित्तीय स्त्रोतों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र सरकार से आरएसएस की संपत्ति और फंडिंग से संबंधित जानकारी सार्वजनिक करने के लिए श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि संगठन की वित्तीय गतिविधियों और संपत्तियों को लेकर पारदर्शिता होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से जांच कराने की मांग भी रखी।

देशभर में आंदोलन की चेतावनी

बृजमोहन सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी आरएसएस प्रमुख के बयान के विरोध में देशभर में अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सड़क से लेकर संसद तक अपनी आवाज उठाएगी और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराएगी।

उन्होंने कहा कि भारत किसी एक संगठन की जागीर नहीं, बल्कि देश के सभी नागरिकों का है। भारतीय जन समाज पार्टी ने संविधान की सर्वोच्चता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखने की बात कही।

बहू-बेटियों को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक, हिंसा पर चुप्पी न साधने की दी सीख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में रविवार को मिशन शक्ति केंद्र मोहनलालगंज की टीम ने 'बहू-बेटी सम्मेलन' अभियान के तहत थाना क्षेत्र के दीवानगंज गांव में चौपाल लगाकर महिलाओं और बहू-बेटियों को उनकी सुरक्षा, अधिकारों एवं महिला अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरूक किया। चौपाल के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा, शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना तथा दहेज उत्पीड़न जैसी परिस्थितियों में आत्महत्या जैसा कदम न उठाने की सीख दी गई। विपरीत परिस्थितियों में मानसिक रूप से मजबूत रहते हुए कानून का सहारा लेने

और समय रहते पुलिस से मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया । वहीं अविवाहित युवतियों और पढ़ने वाली छात्राओं से संवाद स्थापित कर उन्हें जल्दबाजी में कोई निर्णय न लेने तथा अपने भविष्य को लेकर सोच-समझकर कदम उठाने के लिए जागरूक किया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा या प्रताड़ना को सहन करने के बजाय तत्काल पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन की मदद लें। टीम ने महिला अपराधों की रोकथाम और आपात स्थिति में सहायता के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 1076, 112, 1930, 101, 102 एवं 108 की जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए। साथ ही मिशन शक्ति केंद्र के सीयूजी नंबर की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। चौपाल के माध्यम से महिलाओं और बेटियों में सुरक्षा के प्रति विश्वास पैदा करने के साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी विपरीत परिस्थिति में बिना डर कानून व पुलिस की मदद लेने का संदेश दिया गया।

पुरहिया की बेटी शांभवी दीक्षित ने बढ़ाया गांव का मान, बीबीएयू से मिला गोल्ड मेडल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां /लखनऊ। निगोहां क्षेत्र के पुरहिया गांव की होनहार बेटी शांभवी दीक्षित ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर पूरे गांव और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। समाजशास्त्र विभाग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए शांभवी को वर्ष 2026 का गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। शनिवार को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। पुरहिया गांव निवासी पंकज दीक्षित 'अरविंद' की बेटी शांभवी शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उनकी माता रीता दीक्षित गृहिणी हैं। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली शांभवी ने सीमित संसाधनों के बावजूद

शिक्षा के प्रति अपनी लगन और निरंतर मेहनत को सफलता का आधार बनाया। शांभवी ने इंटरमीडिएट की परीक्षा में भी 82 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए समाजशास्त्र विषय का चयन किया और विश्वविद्यालय में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। समाजशास्त्र विभाग में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर विश्वविद्यालय की ओर से उनका चयन वर्ष 2026 के गोल्ड मेडल के लिए किया गया। शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में जब शांभवी को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया तो परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। माता-पिता ने बेटी की इस उपलब्धि को अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया। परिजनों का कहना है कि शांभवी ने अपनी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति से साबित कर दिया कि लगन के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। शांभवी को गोल्ड मेडल मिलने की खबर जैसे ही पुरहिया गांव और आसपास के क्षेत्र में पहुंची, लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने शांभवी व उनके परिवार को बधाई दी। लोगों ने कहा कि गांव की बेटी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल कर पुरहिया गांव और पूरे निगोहां क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्रामीणों का कहना है कि शांभवी की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों और विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। उन्होंने यह संदेश दिया है कि ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण से बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। शांभवी की इस सफलता से जहां पुरहिया गांव गौरवान्वित है, वहीं परिवार में जश्न का माहौल बना हुआ है।

संपादकीय

असली घटनाओं पर पर्दा और फर्जी मुकदमों की बाढ़: थाने कब बनेंगे न्याय के केंद्र?

राजीव शुक्ला -(संपादक)

कानून-व्यवस्था किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद होती है। आम नागरिक जब किसी अपराध, विवाद या अन्याय का शिकार होता है तो उसकी पहली उम्मीद पुलिस और थाने से होती है। थाना उसके लिए न्याय की पहली चौखट होना चाहिए। लेकिन जब इसी चौखट पर शिकायत दर्ज कराने से लेकर कार्रवाई तक सवाल खड़े होने लगें, तो आम आदमी के मन में व्यवस्था के प्रति भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। आज सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या वास्तविक घटनाओं की निष्पक्ष जांच के बजाय कई बार मुकदमों की संख्या और कागजी कार्रवाई को ही सफलता का पैमाना माना जाने लगा है? यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को दबाव, विवाद, राजनीतिक प्रभाव या निजी रंजिश के चलते मुकदमे में घसीट दिया जाए और दूसरी ओर वास्तविक घटना पर प्रभावी कार्रवाई न हो, तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, बल्कि कानून के शासन की मूल भावना पर चोट है। कई मामलों में शिकायतकर्ता की सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि उसकी बात सुनी ही नहीं जाती या उसकी शिकायत को गंभीरता से लेने में टालमटोल होती है। दूसरी ओर प्रभावशाली व्यक्ति अपनी पहुंच और दबाव के माध्यम से घटनाक्रम को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करता है। यदि पुलिस की प्रारंभिक जांच निष्पक्ष न हो तो वास्तविक घटना धीरे-धीरे पीछे छूट जाती है और कागजों में एक दूसरी कहानी तैयार हो जाती है। यही स्थिति आगे चलकर विवाद को और जटिल बनाती है। पुलिस के पास जांच, साक्ष्य जुटाने और दोनों पक्षों को सुनने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए किसी भी मामले में केवल शिकायत के आधार पर व्यक्ति को दोषी मान लेना या प्रभावशाली पक्ष के दबाव में कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं हो सकता। किसी निर्दोष व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज होना अपने आप में एक बड़ी परेशानी है। अदालतों के चक्कर, तारीखें, वकील की फीस, सामाजिक बदनामी और मानसिक तनाव–इन सबका बोझ उस व्यक्ति और उसके परिवार को उठाना पड़ता है। मुकदमा अंततः झूठा साबित हो जाए, तब भी वर्षों का समय वापस नहीं आता। यही कारण है कि झूठे और दुर्भावनापूर्ण मुकदमों की समस्या को केवल कानूनी विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसी पर मुकदमा लगाना आसान और उसे झेलना कठिन हो जाए, तो व्यवस्था में संतुलन की आवश्यकता स्पष्ट दिखाई देती है। थाने में भ्रष्टाचार की शिकायतें क्यों उठती हैं? पुलिस व्यवस्था में भ्रष्टाचार का सवाल नया नहीं है। रिश्वत, सिफारिश, राजनीतिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप जैसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हालांकि हर पुलिसकर्मी को भ्रष्ट कहना भी उचित नहीं होगा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में ईमानदारी से काम करते हैं। लेकिन जहां शिकायतों पर कार्रवाई पैसे या पहुंच से प्रभावित होने लगे, वहां जनता का भरोसा टूटता है। थाने को किसी व्यक्ति की आर्थिक या राजनीतिक हैसियत देखकर नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर काम करना चाहिए। कानून की नजर में गरीब और प्रभावशाली के बीच अंतर दिखाई देने लगे तो कानून का राज कमजोर पड़ता है। किसी मामले में एफआईआर दर्ज होना ही न्याय नहीं है और न ही किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी जांच की अंतिम सफलता। असली परीक्षा निष्पक्ष जांच की है। घटना के साक्ष्य जुटाना, गवाहों के बयान दर्ज करना, सीसीटीवी और डिजिटल प्रमाणों की जांच करना, दोनों पक्षों की बात सुनना और तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना–यही पुलिस जांच की वास्तविक कसौटी होनी चाहिए। यदि जांच मजबूत होगी तो झूठे मुकदमों की गुंजाइश कम होगी और वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना आसान होगा। राजनीतिक और सामाजिक दबाव से मुक्त पुलिस जरूरी है। पुलिस पर राजनीतिक या सामाजिक दबाव की चर्चा अक्सर होती है। लोकतंत्र में निर्वाचित सरकार और प्रशासन के बीच समन्वय जरूरी है, लेकिन कानून लागू करने वाली संस्था की निष्पक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि पुलिसकर्मी को यह डर हो कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने पर उसका तबादला या विभागीय परेशानी हो सकती है, तो स्वतंत्र जांच प्रभावित हो सकती है। इसलिए पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और पेशेवर स्वतंत्रता को मजबूत करना समय की मांग है। सुधार की शुरुआत थाने से होनी चाहिए थाने में शिकायत की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो। शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की स्थिति की जानकारी मिले। जांच की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की प्रभावी व्यवस्था हो। झूठी शिकायत या दुर्भावनापूर्ण मुकदमे के मामलों में भी कानून के अनुसार जिम्मेदारी तय हो। साथ ही पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में कानूनी अधिकारों, मानवाधिकारों, डिजिटल साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल भी पारदर्शिता बढ़ाने में किया जा सकता है। शिकायतों और जांच की डिजिटल ट्रैकिंग, सीसीटीवी की निगरानी और रिकॉर्ड की सुरक्षित व्यवस्था भ्रष्टाचार तथा मनमानी की संभावनाओं को कम कर सकती है। जनता का भरोसा ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है पुलिस और जनता के बीच संबंध केवल कानून लागू करने वाले और कानून मानने वाले का नहीं होना चाहिए। पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए है और जनता का विश्वास उसकी सबसे बड़ी ताकत है। जब कोई पीड़ित थाने पहुंचे तो उसे यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जाएगी। उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि उसकी शिकायत के बजाय उसी के खिलाफ कोई मामला खड़ा कर दिया जाएगा। लोकतंत्र में कानून का अर्थ केवल अपराधी को सजा देना नहीं, बल्कि निर्दोष की रक्षा करना भी है।

मेष राशि: आज कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी पुराने काम को पूरा करने का अवसर मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि: आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है। व्यापारियों को रुका हुआ भुगतान मिलने से राहत मिल सकती है। निवेश से जुड़े फैसलों में धैर्य रखें।

मिथुन राशि: आज आपके लिए सक्रियता और सकारात्मक सोच का दिन है। कार्यस्थल पर नए विचारों को महत्व मिल सकता है। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह आपके काम आ सकती है।

कर्क राशि: आर्थिक दृष्टि से दिन आपके पक्ष में रह सकता है। नौकरी या व्यापार में कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। पुराने निवेश से लाभ की संभावना है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह राशि: आज आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का अवसर मिल सकता है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। अधिकारियों के सामने अपनी बात स्पष्ट रूप से रखें।

कन्या राशि: आज आपको अपने काम की प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्षेत्र में पुराने कामों को पूरा करने पर जोर रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है और गैरजरूरी खरीदारी से बचें।

तुला राशि: आज पुराने लंबित कार्यों में प्रगति हो सकती है। नौकरी में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में किसी नए ग्राहक या संपर्क से लाभ हो सकता है।

वृश्चिक राशि: आज व्यावहारिक सोच के साथ लिए गए निर्णय लाभकारी रहेंगे। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के साथ कुछ अतिरिक्त खर्च भी सामने आ सकते हैं।

धनु राशि: आज भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का परिणाम धीरे-धीरे मिलेगा। व्यापारियों को किसी पुराने सौदे से लाभ हो सकता है। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचें।

मकर राशि: आज आर्थिक रूप से दिन मजबूत रह सकता है। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। अधिकारियों से संबंध अच्छे होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ राशि: आज आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, लेकिन सभी को एक साथ अपनाने के बजाय प्राथमिकता तय करें। नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारी को लेकर विचार हो सकता है। व्यापार में लाभ के लिए नई रणनीति बनानी पड़ेगी।

मीन राशि: आज चंद्रमा की स्थिति के कारण भावनात्मक संवेदनशीलता बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में पुराने अधूरे काम पूरे करने पर ध्यान दें। नौकरी में धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी।

प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र से कृषकों की जरूरत के अनुरूप मिल रहा है उर्वरक

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का आधार कृषि है। प्रदेश के करोड़ों किसान अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं और कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने में समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश की उपलब्धता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बीज, सिंचाई और कृषि यंत्रों के साथ रासायनिक उर्वरक भी फसल उत्पादन की आवश्यक जरूरतें है। ऐसे में किसानों को उनकी आवश्यकता के समय पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। विशेष रूप से बुवाई और फसल की विभिन्न अवस्थाओं में उर्वरक की मांग बढ़ जाती है। यदि उस समय पर्याप्त उपलब्धता न हो तो किसानों को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम भण्डारण और समयबद्ध वितरण की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2026-27 में सहकारिता क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया है। प्रदेश सरकार किसानों को कृषि सीजन के दौरान उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम स्तर पर तैयारी को महत्व दे रही है। अग्रिम भण्डारण का मूल उद्देश्य यही है कि किसान को उर्वरक की आवश्यकता उस समय हो, जब वह खेत में फसल की तैयारी और उत्पादन से जुड़े कार्य कर रहा हो, और उसी समय सहकारी व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके।

कृषि में समय का विशेष महत्व होता है। किसान के लिए बुवाई का समय निकल जाने के बाद उपलब्ध संसाधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते। इसी प्रकार फसल की वृद्धि के विभिन्न चरणों में भी उर्वरक की आवश्यकता होती है। इसलिए उर्वरक की उपलब्धता केवल कुल मात्रा से नहीं, बल्कि उसके सही समय और सही स्थान पर उपलब्ध होने से जुड़ी है। सहकारी क्षेत्र में अग्रिम भण्डारण की व्यवस्था इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर कृषि इनपुट की आपूर्ति को पहले से व्यवस्थित करने का माध्यम बनती है।

वर्ष 2026 में निर्धारित 20.45 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 30 जून 2026 तक 14.20 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। यह उपलब्धता निर्धारित लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाती है। कृषि सीजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पहले से उर्वरक की व्यवस्था किए जाने से सहकारी वितरण तंत्र को भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध रहती है। इससे किसानों तक उर्वरक पहुंचाने की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने में सहायता मिलती है।

> **रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना**
>
> प्रदेश के मुयमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2026-27 में सहकारिता क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान किया गया है। प्रदेश सरकार किसानों को कृषि सीजन के दौरान उर्वरक की उपलधता सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम स्तर पर तैयारी को महत्व दे रही है।

सहकारिता क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसकी संस्थाएं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के निकट कार्य करती हैं। यही स्थानीय पहुंच उर्वरक वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब उर्वरक का अग्रिम भण्डारण किया जाता है, तो उसे आवश्यकता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित की जा सकती है। इससे किसान को अपने क्षेत्र में ही कृषि कार्य के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध होने की संभावना बढ़ती है। उर्वरक भण्डारण की व्यवस्था कृषि आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्पादन केंद्रों और किसानों के बीच कई स्तरों पर सामग्री के परिवहन, भण्डारण और वितरण की आवश्यकता होती है। इस पूरी प्रक्रिया में यदि किसी स्तर पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध न हो तो इसका असर अंतिम रूप से किसान पर पड़ सकता है। इसलिए सहकारी क्षेत्र में अग्रिम भण्डारण का उद्देश्य आपूर्ति व्यवस्था में निरंतरता बनाए रखना भी है।

किसानों की जरूरत के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराने में भण्डारण के साथ-साथ वितरण व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भण्डार में उपलब्ध उर्वरक तभी उपयोगी है, जब वह समय पर किसानों तक पहुंच सके। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से वितरण व्यवस्था को कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित करने से स्थानीय स्तर पर किसानों को सुविधा मिलती है। इस प्रकार भण्डारण और वितरण एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों को मजबूत किए बिना कृषि इनपुट की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित करना कठिन है।

वर्ष 2026-27 के लिए 15,000 लाख रुपये का बजट प्राविधान इसी व्यापक व्यवस्था को वित्तीय आधार प्रदान करता है। बजट का प्राविधान सहकारी क्षेत्र को उर्वरक की अग्रिम व्यवस्था करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने में सहायक है। इससे कृषि सीजन शुरू होने से पहले आवश्यक तैयारी करने और उपलब्धता को बनाए रखने की क्षमता मजबूत होती है। किसान के लिए इसका महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि कृषि उत्पादन की प्रक्रिया में किसी भी आवश्यक इनपुट की कमी सीधे खेती की लागत और उत्पादन व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। प्रदेश की कृषि व्यवस्था में छोटे और सीमांत किसानों की संख्या एवं भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। ऐसे किसानों के लिए बाजार से कृषि सामग्री की समय पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक होती है। सहकारी संस्थाओं की ग्रामीण पहुंच उन्हें स्थानीय स्तर पर कृषि इनपुट उपलब्ध कराने का अवसर देती है। उर्वरक की अग्रिम व्यवस्था इसी ग्रामीण पहुंच को प्रभावी सेवा में बदलने का माध्यम है। इससे किसानों को कृषि कार्य के दौरान आवश्यक सामग्री के लिए दूर-दराज के बाजारों पर निर्भरता कम करने में सहायता मिल सकती है।

अग्रिम भण्डारण व्यवस्था का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इससे कृषि सीजन के दौरान अचानक बढ़ने वाली मांग का सामना करने की तैयारी पहले से की जा सकती है। सामान्य परिस्थितियों में उर्वरक की आवश्यकता पूरे वर्ष एक समान नहीं रहती। बुवाई और फसल की विशेष अवस्थाओं में मांग बढ़ सकती है। इसलिए पहले से पर्याप्त मात्रा में स्टॉक रखना वितरण तंत्र पर अचानक पड़ने वाले दबाव को कम करने में सहायक होता है।

सहकारिता के माध्यम से उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने का व्यापक उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पादन के लिए आवश्यक संसाधनों की निर्बाध आपूर्ति उपलब्ध कराना है। कृषि में उत्पादन बढ़ाने के लिए किसान की मेहनत के साथ-साथ उचित समय पर उचित कृषि निवेश भी जरूरी है। उर्वरक की अग्रिम उपलब्धता इसी कृषि निवेश व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पूरी व्यवस्था में सहकारी संस्थाएं केवल उर्वरक के भण्डारण और वितरण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था और आपूर्ति तंत्र के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी मौजूदगी के कारण कृषि संबंधी आवश्यकताओं को स्थानीय स्तर पर समझने और उसके अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने की संभावना बढ़ती है। यही सहकारी व्यवस्था की वह विशेषता है, जो उसे किसानों के लिए उपयोगी बनाती है।

उर्वरक की अग्रिम भण्डारण व्यवस्था का महत्व केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, इसका वास्तविक उद्देश्य किसान की खेती को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन की प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखना है। जब उर्वरक पहले से उपलब्ध हो, वितरण तंत्र सक्रिय हो और ग्रामीण स्तर पर सहकारी संस्थाएं किसानों तक सेवाएं पहुंचा रही हों, तो कृषि व्यवस्था अधिक व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ती है। इसी दृष्टि से रासायनिक उर्वरकों की अग्रिम भण्डारण योजना प्रदेश के किसानों को समयबद्ध कृषि निवेश उपलब्ध कराने और सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

संजय कुमार, सहायक निदेशक

ऊर्जा के उजास से आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ता प्रदेश

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

ऊर्जा किसी भी प्रदेश के विकास की वह आधारशिला है जिसके मजबूत होने पर उद्योगों को गति मिलती है खेतों को सिंचाई का संबल मिलता है घरों में रोशनी पहुंचती है और युवाओं के सपनों को उड़ान मिलती है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण प्रदेश के लिए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करना अनिवार्य शर्त है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक सुधारों और दूरगामी नीतिगत निर्णयों के माध्यम से विद्युत उत्पादन पारेषण वितरण उपभोक्ता सुविधाओं और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन प्रयासों का मूल उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक निर्बाध गुणवत्तापूर्ण और सुलभ विद्युत पहुंचाना तथा ऊर्जा क्षेत्र को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र को केवल बिजली उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसे आर्थिक विकास और जनसुविधाओं के व्यापक अभियान के रूप में आगे बढ़ाया है। विद्युत उपकेंद्रों पर तैनात संविदा कार्मिकों और अधिकारियों को राजस्व वसूली के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसका उद्देश्य विद्युत उपकेंद्रों की राजस्व प्राप्ति बढ़ाने के साथ उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाना है। इसके परिणामस्वरूप राजस्व वसूली में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में लगभग 70,531.26 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली हुई थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 83,564.35 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2023-24 में 1,03,600.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी 96,138.68 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली हुई। निश्चित तौर पर यह आंकड़े ऊर्जा क्षेत्र के वित्तीय प्रबंधन और राजस्व संग्रहण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाते हैं।

विद्युत वितरण व्यवस्था में तकनीकी आधुनिकीकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत 30 जून 2026 तक 92,90,143 उपभोक्ताओं के संयोजन पर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। ब्लॉक स्तर तक सभी सरकारी संयोजनों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। लगभग 3,78,690 मीटर वितरण परिवर्तकों तथा सभी 11 केवी पोषकों में 26,984 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर व्यवस्था से उपभोक्ताओं को अपनी ऊर्जा खपत पर बेहतर नियंत्रण मिल रहा है। यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के माध्यम से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत की निगरानी करने के साथ रिचार्ज और भुगतान भी कर सकते हैं। मीटर रीडर की आवश्यकता कम होने तथा बिलिंग में मानवीय हस्तक्षेप घटने से त्रुटिरहित बिल उपलब्ध कराने में भी सहायता मिली है।

स्मार्ट मीटर को अधिक उपभोक्ता अनुकूल बनाने के लिए डिस्कनेक्शन और री-कनेक्शन पर लागू 50 रुपये का शुल्क समाप्त कर दिया गया है। यह निर्णय उपभोक्ताओं के आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

इसी प्रकार प्री-पेड स्मार्ट मीटरों को पोस्ट-पेड मोड में परिवर्तित करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उपभोक्ताओं को बिल जमा करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा और निर्धारित अवधि में भुगतान न होने पर सात दिन बाद संयोजन डिस्कनेक्शन के लिए अर्ह होगा। नए संयोजनों को भी पोस्ट-पेड मोड में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे विद्युत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा और विकल्प प्राप्त हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बुंदेलखंड क्षेत्र के ग्रामीण निजी नलकूप विद्युत उपभोक्ताओं को एकल फसल की सिंचाई के लिए सीजनल टैरिफ का लाभ तथा अस्थायी विद्युत संयोजन की सुविधा प्रदान की गई है। यह पहल विशेष रूप से किसानों के लिए उपयोगी है, क्योंकि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में समय पर और किफायती विद्युत आपूर्ति उत्पादन क्षमता को सीधे प्रभावित करती है। इसी क्रम में लगातार बढ़ती विद्युत दरों के बीच प्रदेश के उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2019-20 के बाद विद्युत दरों में वृद्धि नहीं की गई है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यवसायों को आर्थिक राहत मिली है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नई दिशा निर्धारित की है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन एनर्जी टैरिफ को उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाया गया है। एचटी उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी टैरिफ को 0.36 रुपये प्रति यूनिट से घटाकर 0.34 रुपये प्रति यूनिट तथा एलटी उपभोक्ताओं के लिए 0.17 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। इससे हरित ऊर्जा के प्रति उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ने की संभावना है और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रदेश को नई शक्ति मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर लागू वर्तमान टैरिफ को राज्य परिवहन के लिए भी अनुमन्य कर दिया गया है। इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा और सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल बनाने में सहायता प्राप्त होगी। इसी तरह रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए विद्युत दरों को मेट्रो रेल सेवाओं की दरों को समान किया गया है। इससे सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के लिए किफायती और सुगम ऊर्जा व्यवस्था सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार को देखते हुए सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं को राज्य सरकार द्वारा उद्योग का दर्जा दिया गया है तथा नीति के अनुरूप इन उद्योगों को औद्योगिक क्षेत्र में अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे उत्तर प्रदेश में तकनीकी निवेश को आकर्षित करने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा प्रदेश को प्रौद्योगिकी आधारित विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है।

उपभोक्ता सेवाओं में पारदर्शिता और त्वरित समाधान के लिए भी अनेक कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 तक 35 जोन और 75 मंडलों में सीजीआरएफ का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जा रहा है। 17 अक्टूबर 2025 से ऑनलाइन सीजीआरएफ पोर्टल शुरू किया गया है। इससे उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है। विद्युत बिलों को सरल बनाते हुए हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। डिजिटल बिलिंग के लिए ई-मेल व्हाट्सऐप अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का विकल्प देकर भौतिक बिल वितरण पर निर्भरता घटाई जा रही है। विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं।

वर्ष 2016-17 में 5,784 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन क्षमता के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 तक 9,120 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन क्षमता प्राप्त की गई। पीएलएफ अर्थात प्लांट लोड फैक्टर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2016-17 में 68.42 प्रतिशत पीएलएफ के मुकाबले वर्ष 2025-26 में 80.68 प्रतिशत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 तक 83.34 प्रतिशत पीएलएफ प्राप्त किया गया। विद्युत उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्ष 2016-17 में 33,556 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन के मुकाबले वर्ष 2025-26 के मार्च 2026 तक 62,896.143 मिलियन यूनिट तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून 2026 तक 16,699.608 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन प्राप्त हुआ।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड ने 25 मई 2025 को अधिकतम 192.1049 मिलियन यूनिट अर्थात 8004 मेगावाट का रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन किया जो 94.61 प्रतिशत पीएलएफ के बराबर रहा। यह उपलब्धि प्रदेश की उत्पादन क्षमता और ऊर्जा संयंत्रों के बेहतर संचालन का प्रमाण है।

जल विद्युत के क्षेत्र में भी उपलब्धियों की एक नई इबारत लिखी गई है। वर्ष 2018 से 524.9 मेगावाट क्षमता के जल विद्युत गृहों के संचालन और रखरखाव के साथ नई जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। रिहंद जल विद्युत गृह पिपरी की क्षमता को 230 मेगावाट से बढ़ाकर 300 मेगावाट किया गया। सितंबर 2024 में रिहंद जल विद्युत गृह पिपरी तथा ओबरा जल विद्युत गृह द्वारा पिछले 25 वर्षों के विद्युत उत्पादन का रिकॉर्ड भी तोड़ा गया। नई विद्युत परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को भविष्य के लिए सुरक्षित किया जा रहा है। 1×660 मेगावाट हरदुआगंज तापीय विस्तार परियोजना की इकाई का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 4 जनवरी 2022 को किया गया और फरवरी 2022 से इसका वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ हुआ। जवाहरपुर तापीय परियोजना की दोनों इकाइयों से क्रमशः फरवरी और दिसंबर 2024 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ। ओबरा सी तापीय परियोजना की दोनों इकाइयों से भी उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। पनकी तापीय परियोजना की द्वितीय इकाई से अप्रैल 2025 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बुंदेलखंड ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर एक महत्वाकांक्षी पहल है। बुंदेलखंड क्षेत्र में 4,000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क से उत्पादित ऊर्जा की निकासी के लिए 21 पारेषण उपकेंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। कुल 21 उपकेंद्रों का निर्माण 28 पैकेजों में किया जा रहा है जिनमें से नौ का ऊर्जीकरण हो चुका है और शेष पर कार्य प्रगति पर है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान देने के साथ बुंदेलखंड के आर्थिक विकास को भी गति प्रदान कर सकती है।

विद्युत वितरण व्यवस्था को अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए आरडीएसएस के अंतर्गत पूर्वांचल वाराणसी मध्यांचल लखनऊ और दक्षिणांचल आगरा वितरण निगमों में छूटे हुए आवासों के विद्युतीकरण हेतु 917.28 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस योजना के अंतर्गत 19,503 मजरे और 2,51,487 घरों को लाभान्वित किया जाना है। इसी प्रकार, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जनजातीय बहुल ग्रामों में विद्युतीकरण के लिए 31.86 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं जिससे 6,867 घरों एवं सार्वजनिक संस्थानों को विद्युत सुविधा से जोड़ने का लक्ष्य है।

वास्तव में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एक ओर विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो रही है, तो दूसरी ओर पारेषण और वितरण तंत्र को आधुनिक बनाया जा रहा है। स्मार्ट मीटर, डिजिटल बिलिंग, ऑनलाइन शिकायत निस्तारण, ग्रीन एनर्जी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग और सौर ऊर्जा जैसी पहलें ऊर्जा व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आकार दे रही हैं। किसानों, गरीब परिवारों, छोटे व्यवसायियों जनजातीय समुदायों और दूरदराज के क्षेत्रों तक विद्युत सुविधाओं का विस्तार सामाजिक न्याय की भावना को भी साकार करता है। ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे ये प्रयास बदलते उत्तर प्रदेश की उस विकास यात्रा का प्रतीक हैं जिसमें गांवों से लेकर महानगरों तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संकल्प दिखाई देता है। उत्पादन से वितरण तक और परंपरागत ऊर्जा से हरित ऊर्जा तक उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता की नई राह पर अग्रसर है। ऊर्जा के क्षेत्र में मजबूत होती यह आधारशिला आने वाले वर्षों में औद्योगिक विकास रोजगार सृजन कृषि उन्नति और नागरिक सुविधाओं को नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऊर्जा के उजास से विकसित आत्मनिर्भर और सशक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प को निरंतर मजबूती मिल रही है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

राजकुमार पंथ उर्फ छन्नू हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

मुख्य सरगना राही जैन समेत तीन पर गैंगस्टर एक्ट

जिलाधिकारी से अनुमोदित गैंगचार्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

चर्चित राजकुमार पंथ उर्फ छन्नू हत्याकांड में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी एवं कथित गैंगलीडर सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन समेत तीन आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाजविरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने गिरोह बनाकर हत्या जैसे गंभीर अपराध को अंजाम दिया और उनके भय एवं आतंक के चलते आम लोगों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ था।

जिलाधिकारी ललितपुर द्वारा अनुमोदित गैंगचार्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक गैंग में गुरुनानक धर्मशाला के सामने, सिविल लाइन निवासी सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन पुत्र राजीव कुमार को गैंगलीडर बताया गया है। इसके अलावा वर्णी कॉलेज के पीछे निवासी गौरव रैकवार पुत्र रामप्रसाद तथा पुराना सूचना केंद्र के पास निवासी गजेन्द्र नरवरिया उर्फ गजेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र स्व. सुखदयाल को गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया गया है। यह मामला 13 जून 2026 की घटना से जुड़ा है। मृतक राजकुमार पंथ उर्फ छन्नू की मां गजरा पैलेस के पास सिविल लाइन निवासी राधाबाई पत्नी दिनेश पंथ ने घटना के अगले दिन 14 जून 2026 को कोतवाली पुलिस को तहरीर दी थी। तहरीर के अनुसार उनका करीब 25 वर्षीय पुत्र राजकुमार पंथ 13 जून की सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था। राजकुमार का सम्यक राजनायक उर्फ राही जैन के यहां आना-जाना बताया गया था। देर रात तक जब राजकुमार घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि राही जैन ने अपने साथियों गौरव रैकवार और गजेन्द्र राजपूत के साथ मिलकर राजकुमार के साथ मारपीट की है। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो राजकुमार राही जैन के घर के पास अचेत अवस्था में पड़ा मिला। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की विवेचना में सामने आए तथ्यों के अनुसार आरोपियों ने राजकुमार के सिर और शरीर पर स्टील की रॉड से ताबड़तोड़ वार किए थे। आरोप है कि गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना के बाद साक्ष्य मिटाने का प्रयास भी किया गया। शव को सीढ़ियों से घसीटकर बाहर फेंकने तथा फर्श पर लगे खून को साफ करने की बात भी विवेचना में सामने आई। मामले में थाना कोतवाली में मु.अ.सं. 662/2026, धारा 103(1) बीएनएस एवं 3(2)वी एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को 14 जून 2026 को ही गिरफ्तार कर लिया था। विवेचना के दौरान मामले में धारा 238 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। पुलिस के अनुसार विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद 4 जुलाई 2026 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया था। पुलिस के अनुसार विवेचना एवं उपलब्ध आपराधिक तथ्यों के आधार पर आरोपियों की गतिविधियां संगठित गिरोह के रूप में सामने आईं। पुलिस का आरोप है कि गिरोह के सदस्य भौतिक एवं आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से गंभीर अपराध करने के अभ्यस्त हैं। इनके कथित भय और आतंक के कारण आम लोग इनके खिलाफ शिकायत या गवाही देने से डरते हैं। इन्हीं तथ्यों और जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित गैंगचार्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 2/3 के तहत नया मुकदमा दर्ज किया है।

एम्बुलेंस में आए चोर, नई तहसील के पीछे से 14 बकरियां चोरी

» देर रात सफेद एंबुलेंस में सवार होकर पहुंचे 3-4 अज्ञात लोग
» बकरियां लादकर हुए फरार, पशुपालक ने कोतवाली में दी तहरीर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली क्षेत्र में चोरी का एक अनोखी वारदात सामने आई है। आरोप है कि चोर सफेद रंग की एंबुलेंस लेकर पहुंचे और नई तहसील के पीछे बंधी करीब 14 बकरियां वाहन में लादकर फरार हो गए। घटना की जानकारी सुबह होने पर पशुपालक को हुई। पीड़ित ने थाना कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है। आजाद चौक नदीपुरा निवासी तौसीफ रजा पुत्र मु.इरशाद ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह बकरा-बकरी पालन कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उसकी बकरियां नई तहसील के पीछे एक स्थान पर बंधी रहती थीं। पीड़ित के अनुसार 30 अगस्त 2026 की देर रात करीब 12.04 बजे तीन से चार अज्ञात व्यक्ति एक सफेद रंग की एंबुलेंस लेकर वहां पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने उसकी करीब 14 बकरियों को एंबुलेंस में लादा और मौके से फरार हो गए। सुबह जब तौसीफ रजा वहां पहुंचा तो बकरियां गायब मिलीं। इसके बाद उसने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। घटना के बाद पीड़ित ने थाना कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपा। उसने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने और चोरी गई बकरियों को बरामद कराने की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। घटना में इस्तेमाल बताई जा रही एंबुलेंस और आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जाने की भी संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

मोबाइल वापस लेने के बाद 1500 रुपये मांगे तो युवक को पीटा

ललितपुर। थाना मड़ावरा क्षेत्र के ग्राम गोराकलां निवासी रामराजा सिंह पुत्र स्व. देशपत सिंह लोधी ने मड़ावरा पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही छोटू पुत्र रामपाल सिंह, रजपाल सिंह पुत्र हाकिम सिंह और दिनेश पुत्र दशरथ सिंह लोधी ने उसे 1500 रुपये में एक मोबाइल फोन बेचा था। बीती 24 अगस्त 2026 की शाम करीब छह बजे तीनों आरोपी उसके पास पहुंचे और उससे मोबाइल फोन वापस ले लिया। जब रामराजा सिंह ने मोबाइल के बदले दिए गए अपने 1500 रुपये वापस मांगे, तो आरोपी कथित रूप से नाराज हो गए और उसके साथ अभद्रता करने लगे। आरोप है कि देखते ही देखते तीनों ने रामराजा सिंह के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और लात-घूंसों के साथ ही लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी। घटना के बाद घायल रामराजा सिंह अपना उपचार कराता रहा। स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने के बाद उसने 29 अगस्त 2026 को थाना मड़ावरा पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर छोटू, रजपाल सिंह और दिनेश के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(2) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

तेज रफ्तार चेसिस ने बुलेट सवार युवक को मारी टक्कर

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के 71 सरायपुरा निवासी सुनील कुमार जैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र यश जैन बीती 9 अगस्त 2026 की शाम करीब 6.10 बजे अपनी बुलेट मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 94 ए.एफ. 1076 से राजघाट रोड स्थित होटल शुभ हेवन की ओर से घर लौट रहा था। वह धीमी गति और सावधानी से वाहन चला रहा था। बताया गया कि जैसे ही यश जैन पिसनारी नहर की पुलिया के पास जी इंटरप्राइजेज की दुकान के सामने पहुंचा, तभी एलीट चौराहे की ओर से आ रहे एक चेसिस के चालक ने कथित तौर पर वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए गलत दिशा में लाकर बुलेट मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि यश जैन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका दाहिना हाथ कंधे के पास से फ्रैक्चर होने के साथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

स्कूल के पास खुलेआम अवैध शराब की बिक्री का आरोप

» मासूमों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा
» गौना में कम्पोजिट विद्यालय के आसपास शराबियों का जमावड़ा
» पुलिस-आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम गौना में कम्पोजिट विद्यालय के आसपास कथित तौर पर खुलेआम अवैध शराब की बिक्री किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय के ठीक पास एक व्यक्ति द्वारा लंबे समय से शराब बेची जा रही है। शराब की बिक्री के चलते यहां आए दिन शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों, छात्राओं, शिक्षकों और आसपास रहने वाले परिवारों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक विद्यालय जैसे संवेदनशील स्थान के पास शराब की कथित अवैध बिक्री से न केवल बच्चों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है, बल्कि स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि शराब के नशे में कुछ लोग गाली-गलौज और अभद्रता करते हैं। सबसे अधिक परेशानी छात्राओं और महिला शिक्षकों को होती है। ग्रामीणों का कहना है कि कथित शराब बिक्री का स्थान विद्यालय से कुछ ही दूरी पर है। स्कूल के समय भी यहां शराब खरीदने और पीने वालों की आवाजाही बनी रहती है। इससे बच्चों के सामने गलत वातावरण पैदा होने के साथ ही किसी अप्रिय घटना की आशंका भी बनी रहती है। कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर आरोप लगाया कि कथित अवैध शराब बिक्री का विरोध करने पर दबंग व्यक्ति द्वारा उन्हें धमकाया गया। भय के कारण शिक्षक और ग्रामीण खुलकर शिकायत करने से बच रहे हैं। ग्रामीणों ने कथित तौर पर कम कीमत पर बेची जा रही शराब की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शराब अधिकृत दुकान से लाई जा रही है या किसी अन्य माध्यम से, इसकी जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि कहीं शराब मिलावटी या नकली न हो। ग्रामीणों की मांग है कि आबकारी विभाग तत्काल मौके पर पहुंचकर कथित शराब की बिक्री की जांच करे, शराब के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच कराई जाए और यदि अवैध बिक्री की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। गांव की महिलाओं में भी कथित अवैध शराब बिक्री को लेकर नाराजगी है। महिलाओं का कहना है कि शाम होते ही गांव का माहौल खराब हो जाता है। शराब के सेवन के बाद विवाद और घरेलू कलह की स्थिति पैदा होने की शिकायतें भी सामने आती हैं। हालांकि, कथित दबंगई और विवाद के डर से महिलाएं खुलकर शिकायत करने से हिचक रही हैं। सबसे बड़ा सवाल पुलिस और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर खड़ा हो रहा है। यदि ग्रामीणों के आरोप सही हैं और विद्यालय के पास लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री हो रही है, तो संबंधित विभागों की नियमित जांच और गश्त पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से कथित शराब विक्रेता के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीण यह भी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर विद्यालय जैसे संवेदनशील स्थान के आसपास अवैध शराब की बिक्री पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उनकी प्रमुख मांगों में कम्पोजिट विद्यालय के पास कथित अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाना, मौके पर जांच कर शराब की बिक्री की सत्यता सामने लाना, बरामद शराब के नमूने लेकर गुणवत्ता की जांच कराना, अवैध बिक्री की पुष्टि होने पर आबकारी अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में कार्रवाई करना, विद्यालय के आसपास नियमित पुलिस एवं आबकारी निगरानी बढ़ाना, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ग्रामीणों का कहना है कि मामला केवल अवैध शराब बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों की सुरक्षा और उनके लिए सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण से जुड़ा गंभीर विषय है।

पवा-पॉलिटेक्निक मार्ग पर दलदल, गड्ढों में तब्दील हुई सड़क

एनएच-44 से टेकरी गांव होते हुए कॉलेज जाने वाले मार्ग की हालत बदतर, जान जोखिम में डालकर पहुंच रहे छात्र

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 से ग्राम पवा और राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ जमा होने से मार्ग दलदल में तब्दील हो गया है। बारिश के बाद स्थिति और भी खराब हो गई है। इससे प्रतिदिन कॉलेज आने-जाने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राओं, स्टाफ और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस मार्ग की जर्जर स्थिति और गहरे गड्ढों के कारण आए दिन राहगीरों व छात्रों के घायल होने की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बारिश का पानी गड्ढों में भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। दोपहिया वाहन चालक संतुलन खोकर गिर जाते हैं।

मिट्टी डालकर जिम्मेदार कर लेते हैं इतिश्री

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की खराब स्थिति की कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग स्थायी मरम्मत कराने के बजाय गड्ढों में मिट्टी डालकर खानापूर्ति कर देता है। बारिश होते ही मिट्टी बह जाती है और सड़क फिर पुराने हाल में पहुंच जाती है। इससे समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।

छात्रों के लिए रोज का जोखिम

राजकीय पॉलिटेक्निक तालबेहट टेकरी-खांदी क्षेत्र में स्थित है और यहां विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। कॉलेज तक पहुंचने के लिए इसी मार्ग का बड़ी संख्या में विद्यार्थी और स्थानीय लोग इस्तेमाल करते हैं। सड़क की बदहाली के कारण विद्यार्थियों को विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार कीचड़ और गड्ढों से बचने के प्रयास में दोपहिया वाहन अनियंत्रित होने से छात्र गिरकर चोटिल हो जाते हैं।

स्थायी मरम्मत की मांग

ग्रामीणों और छात्रों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि महज मिट्टी डालने के बजाय सड़क को व्यवस्थित तरीके से दुरुस्त कराया जाए, जल निकासी की व्यवस्था की जाए और गड्ढों का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों समेत ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिल सके।

नौ वारंटी कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

वांछित एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत तालबेहट पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से नौ वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपितों को संबंधित मामलों में नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान उपनिरीक्षक दिनेश त्रिपाठी की टीम ने पवा निवासी मनोज अहिरवार (23) को धारा 342, 363, 366, 376 व 506 भादवि से संबंधित गैर जमानती वारंट तथा सुनौरी मजरा खेरा निवासी कृपाल (35) को आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया।

वहीं उपनिरीक्षक शिवजीत सिंह की टीम ने रामपुर मजरा लाटुआ निवासी भूरा (25) तथा हर्षपुर निवासी सलमान उर्फ सम्मान (22) को गिरफ्तार किया। उपनिरीक्षक विकास कुमार की टीम ने तालबेहट निवासी बाबूलाल (76) तथा पुरानी बस्ती निवासी नरेन्द्र (40) और सुनील (35) को वारंट के आधार पर पकड़ा। इसके अलावा उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद की टीम ने खांदी मजरा अमरार निवासी रामकुमार (25) और प्रकाश (45) को धारा 498ए, 323, 504, 506 भादवि एवं डीपी एक्ट से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक सभी गिरफ्तार वारंटियों को संबंधित न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक दिनेश कुमार त्रिपाठी, शिवजीत सिंह, विकास कुमार, दुर्गाप्रसाद समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

अतिक्रमण से कराह रही मुख्य सड़क, दिन में कई बार लगता है जाम

स्थायी समाधान की मांग

नगर वासियों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाकर सड़क की सीमा से अवैध कब्जे हटाए जाएं। साथ ही नए बस स्टैंड के सामने टैक्सियों और हाथ ठेलों के लिए व्यवस्थित स्थान निर्धारित किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके। लोगों ने प्रशासन से जाम की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

नगर की मुख्य सड़क पर बढ़ता अतिक्रमण राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। मर्दन सिंह की मूर्ति तिराहे से लेकर पूराकलां तिराहे तक सड़क के दोनों ओर बेतरतीब तरीके से किए गए अतिक्रमण के कारण दिन में कई बार जाम की स्थिति बन रही है। नए बस स्टैंड के पास तो स्थिति और भी गंभीर है। यहां कोतवाली कार्यालय के सामने हाथ ठेलों और टैक्सियों के खड़े रहने से आवागमन प्रभावित होता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे कच्चे-पक्के अवैध निर्माण, दुकानों के आगे सामान फैलाने और वाहनों के बेतरतीब खड़े होने के कारण मुख्य मार्ग लगातार सिकुड़ता जा रहा है। व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इससे पैदल राहगीरों के साथ ही स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई पर सवाल

अतिक्रमण की समस्या को लेकर कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होनें के आरोप लग रहे हैं। शिकायतकर्ता पत्रकार शशि भूषण संज्ञा का आरोप है कि आईजीआरएस पर की गई उनकी शिकायतों का कई बार मौके पर समस्या का स्थायी समाधान किए बिना निस्तारण कर दिया गया। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों पर शिकायतों के निस्तारण में गलत तथ्यों और कथित गवाहों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी और एसडीएम स्तर से अतिक्रमण हटाने को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उनका यह भी आरोप है कि अधिकारियों के सीयूजी नंबर पर संपर्क करने पर भी कई बार बात नहीं हो पाती।

सीने में तेज दर्द से तड़पे मरीज को एएलएस एंबुलेंस ने समय पर पहुंचाया झांसी मेडिकल कॉलेज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिला अस्पताल में संचालित एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस सेवा ने एक बार फिर तत्परता दिखाते हुए गंभीर मरीज को समय रहते उच्च चिकित्सा केंद्र पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीने में तेज दर्द की शिकायत पर जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए 36 वर्षीय महेंद्र कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर किया। इसके बाद एएलएस एंबुलेंस की टीम ने बिना देरी किए मरीज को सुरक्षित और समय पर झांसी पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार महेंद्र कुमार को सीने में अत्यधिक दर्द होने के बाद परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अस्पताल में चिकित्सकों ने मरीज की जांच कर प्राथमिक उपचार किया। हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। रेफर किए जाने के बाद मरीज को एएलएस एंबुलेंस के माध्यम से झांसी ले जाया गया। एंबुलेंस में तैनात ईएमटी धीरज शर्मा ने पूरे रास्ते मरीज की चिकित्सकीय निगरानी बनाए रखी और उसकी स्थिति पर लगातार नजर रखी। झांसी पहुंचने के बाद उन्होंने मरीज को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने की प्रक्रिया में भी सहयोग किया।

महिला को भगाने के विवाद में घर पर चढ़कर मारपीट, जातिसूचक गालियां देने का आरोप

बीच-बचाव करने आए पत्नी और बेटों को भी पीटा, धमकाया

ललितपुर। थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम गूगर में एक महिला को भगाने के विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि चार लोगों ने घर पर पहुंचकर गाली-गलौज करते हुए परिवार के सदस्यों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित किया और जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम गूगर निवासी खुशीराम अहिरवार पुत्र सुनु ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 अगस्त 2026 को दोपहर करीब दो बजे वह खेत का काम निपटाकर अपने घर वापस आया था। इसी दौरान गांव के ही किशनलाल पाल पुत्र हरसिंह, दिनेश पाल पुत्र मनीराम पाल, हरिलाल पाल पुत्र हरसिंह पाल और फूलचंद्र पुत्र मनीराम पाल उसके घर के दरवाजे पर आ गए। तहरीर के मुताबिक चारों आरोपी कमलेश पाल की बहू जशोदा पाल को भगाने के मामले को लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि देखते ही देखते उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। खुशीराम द्वारा गाली देने से मना करने पर आरोपी कथित रूप से आक्रोशित हो गए और लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान शोर सुनकर खुशीराम के पुत्र धर्मेन्द्र और नारायण तथा पत्नी कुल्ला मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष के मुताबिक घटना में परिवार के कई सदस्यों को शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आईं। पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। इसके साथ ही सभी को जान से मारकर फेंक देने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना तालबेहट पुलिस ने किशनलाल पाल, दिनेश पाल, हरिलाल पाल और फूलचंद्र के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352 और 351(3) एवं एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(व्ही.ए.), 3(1)(द) और 3(1)(घ) भी लगाई गई हैं।

गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में महिला यात्री का मोबाइल चोरी

भोपाल स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ का फायदा उठाकर वारदात

ललितपुर। ट्रेनों में यात्रियों के सामान की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12590) में सफर के दौरान एक महिला यात्री का मोबाइल फोन चोरी हो गया। बताया जा रहा है कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ते समय भारी भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने महिला के हाथ से मोबाइल पार कर दिया। शिकायत पर ललितपुर जीआरपी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी में दर्ज शिकायत के अनुसार मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत पुरानी टेहरी, पावर हाउस के पास निवासी कु.प्रतिक्षा सिंह कुर्मी पुत्री जाहर सिंह ने बताया कि वह बीती 28 अगस्त 2026 को भोपाल से ललितपुर आने के लिए गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सवार हो रही थीं। घटना दोपहर करीब 3.36 बजे भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर हुई। प्रतिक्षा सिंह कुर्मी ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ रही थीं। इसी दौरान कोच में यात्रियों की भारी भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके हाथ से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। ट्रेन में चढ़ने के बाद महिला को मोबाइल गायब होने की जानकारी हुई। उन्होंने काफी तलाश की, लेकिन मोबाइल का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना जीआरपी को दी। प्रतीक्षा के अनुसार चोरी हुआ मोबाइल वीवो व्ही-40 एंड्रॉयड फोन था। उसमें जियो कंपनी की सिम लगी हुई थी। पुलिस को दी गई शिकायत में मोबाइल का आईएमईआई नंबर भी उपलब्ध कराया गया है। घटना के बाद उसने ललितपुर पहुंचकर जीआरपी थाना ललितपुर में लिखित तहरीर दी और अज्ञात चोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ललितपुर जीआरपी पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत एफआईआर दर्ज की है। मामला जीआरपी अनुभाग झांसी के अंतर्गत थाना ललितपुर में दर्ज किया गया है। पुलिस ने चोरी गए मोबाइल के विवरण के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामले की अग्रिम विवेचना निरीक्षक दिनेश सिंह परिहार द्वारा की जा रही है। पुलिस रेलवे स्टेशन और ट्रेन में लगे संभावित सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

बाल कटवाने गए युवक पर लाठी-डंडों से हमला, सिर फोड़ा

» गाली देने से मना करने पर बादशाह खालिद व दो अज्ञात साथियों पर मारपीट का आरोप
» जान से मारने की धमकी देकर हुए फरार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कोतवाली थाना क्षेत्र के गोविंद नगर स्थित काशीराम आवास कॉलोनी में बाल कटवाने गए एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने एक नामजद समेत दो अज्ञात लोगों पर गाली-गलौज करने, लाठी-डंडों से हमला कर सिर में चोट पहुंचाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। गोविंद नगर काशीराम आवास कॉलोनी निवासी गब्बर पुत्र रामदयाल ने थाना कोतवाली पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 30 अगस्त 2026 को दोपहर करीब दो बजे वह मोहल्ले में स्थित एक बाल कटिंग की दुकान पर बाल कटवाने गया था। आरोप है कि इसी दौरान गोविंद नगर निवासी बादशाह खालिद पुत्र यूसुफ खां अपने दो अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंच गया। पीड़ित के मुताबिक दुकान पर पहुंचते ही बादशाह खालिद ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब गब्बर ने गाली देने से मना किया तो आरोपी और उसके दोनों साथियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से उसके ऊपर हमला किया और सिर पर कई बार डंडे से वार किया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई घटना से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद पीड़ित ने थाना कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक को शिकायती पत्र सौंपा। उसने नामजद आरोपी बादशाह खालिद और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाइवे के गड्ढों ने ली तीन जानें तो जागे एनएचएआई अफसर, रविवार से हाईवे की मरम्मत शुरू

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

बारिश के पानी से जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हुआ झांसी-ललितपुर नेशनल हाईवे-44 अब जानलेवा साबित होने लगा है। शुक्रवार और शनिवार को हाईवे पर हुए दो अलग-अलग हादसों में दंपति समेत तीन लोगों की मौत और चार के गंभीर रूप से घायल होने के बाद एनएचएआई के अफसरों की नींद टूटी। रविवार को तालबेहट से ललितपुर के बीच हाईवे पर बने गड्ढों की मरम्मत का काम शुरू कराया गया।

तालबेहट के झररघाट से लेकर ललितपुर तक हाईवे की सड़क कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बारिश का पानी भरने से गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों और खासकर बाइक सवारों के लिए यह गड्ढे दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। शुक्रवार और शनिवार को हुए दो हादसों में दंपति समेत तीन लोगों की मौत तथा चार लोगों के घायल होने के बाद हाईवे की बदहाली का मुद्दा एक बार फिर सामने आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर बने गड्ढों की समय रहते मरम्मत करा दी जाती तो हादसों को टाला जा सकता था। रविवार को एनएचएआई की ओर से हाईवे के गड्ढों की मरम्मत का काम शुरू कराया गया। मरम्मत शुरू होने से वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। हालांकि लोगों ने मांग की है कि केवल गड्ढों की औपचारिक मरम्मत के बजाय तालबेहट से ललितपुर तक हाईवे का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि बारिश के दौरान सड़क दोबारा गड्ढों में तब्दील न हो।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पुलिस परिवार ने निकाली साइकिल रैली

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर पुलिस परिवार के बच्चों एवं परिवारीजनों को खेल और फिटनेस के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स ललितपुर से संडे ऑन साइकिल के तहत साइकिल रैली निकाली गई। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में पुलिस परिवार के बच्चों, छात्र-छात्राओं एवं परिवारीजनों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

रैली रिजर्व पुलिस लाइन्स से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट चौराहा, तुवन चौराहा और घंटाघर होते हुए वापस पुलिस लाइन्स पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने नियमित साइकिलिंग, व्यायाम और खेल गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 28 से 30 अगस्त तक पुलिस लाइन्स के परेड ग्राउंड एवं खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में बच्चों ने पास द बॉल, स्पोर्ट्स बंधन सहित अन्य सामूहिक खेलों में भाग लिया। पुलिस परिवार के सदस्यों ने योग, व्यायाम एवं जिम जैसी फिटनेस गतिविधियों में भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि नियमित खेल एवं व्यायाम से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। खेलों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता, सहयोग एवं टीम भावना का विकास होता है। वहीं साइकिलिंग को स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए उपयोगी शारीरिक गतिविधि बताते हुए इसे नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने पुलिस परिवार एवं बच्चों से स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए नियमित रूप से खेल एवं व्यायाम करने तथा फिट एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

सड़क पर विशाल अजगर देख मचा हड़कंप

कोंच(जालौन)- कोंच- नदी गांव सड़क मार्ग पर शनिवार की देर रात उस समय वाहन चालकों में हड़कंप मच गया, जब पंचानन चौराहे से ठीक आगे सड़क के बीचों-बीच एक विशाल अजगर रेंगता हुआ दिखाई दिया। विशालकाय अजगर को सड़क पर रेंगता देख राहगीरों ने कुछ देर के लिए अपने वाहन रोक लिए और फिर सुरक्षित दूरी बनाकर उसे देखने में लगे रहे।

बताया गया कि विशाल अजगर सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक की नजर रेंगते हुए अजगर पर पड़ गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को कुछ दूरी पर रोक दिया और मोबाइल फोन से उस अजगर का वीडियो बना लिया। देखते ही देखते अजगर का वह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वायरल वीडियो में विशाल अजगर सड़क पर धीरे-धीरे रेंगता हुआ दिखाई दे रहा है। उसकी लंबाई मोटाई को देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। गनीमत रही कि अजगर किसी वाहन की चपेट में नहीं आया और न ही किसी व्यक्ति को उससे क्षति पहुंची। लोगों का कहना है कि सड़क मार्ग के आसपास खेत, झाड़ियां और खाली क्षेत्र होने के कारण अक्सर जंगली जीव सड़क पर आ जाते हैं।

पनघैली नदी में तीन बच्चे डूबे, दो बच्चों को बचाया, तीसरे की तलाश में गोताखोरों की टीमें जुटीं

दो बच्चों को ग्रामीणों ने बचाया, 13 वर्षीय शिवांशु की तलाश में गोताखोर जुटे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्यो लड़िया पनघैली नदी किनारे शनिवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक बच्चे को डूबता देखकर उसे बचाने के लिए दो अन्य बच्चे नदी में कूद पड़े। देखते ही देखते तीनों बच्चे गहरे पानी में समा गए। ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर दो बच्चों को बाहर निकाल लिया, लेकिन 13 वर्षीय शिवांशु नदी की लहरों में लापता हो गया। देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार में कोहराम मचा रहा। सूचना पर एसडीएम पुलिस और एनडीआरफ की टीमों ने तीसरे बच्चे की तलाश में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। देर शाम तक एसडीएम सचिन यादव और पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों के साथ सर्च अभियान चला रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार मुड़िया जगरूप निवासी रामबीर 10 वर्ष, गांव निरंदापुर निवासी शिवांशु 13 वर्ष, गांव सुन्नौर निवासी सुभाष 14 वर्ष दोपहर पनघैली नदी किनारे गए थे। बताया जा रहा है अचानक सुभाष का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाने लगा। उसे बचाने के लिए शिवांशु और रामबीर भी नदी में कूद पड़े।

कुछ ही पलों में तीनों बच्चे डूबने लगे। नदी किनारे मौजूद ग्रामीणों ने बच्चों को पानी में छटपटाते देखा तो चीख-पुकार मच गई। इसी दौरान वहां पर पशु चरा रहे ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगा दी और रामबीर व सुभाष को बाहर निकाल लिया, लेकिन ग्रामीण शिवांशु का नदी के गहरे पानी में नहीं ढूंढ सके। उसका पता नहीं चल सका। शिवांशु के लापता होने की सूचना मिलते ही उसके स्वजन बदहवास होकर नदी किनारे पहुंच गए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस भी पहुंची और ग्रामीणों के साथ लापता बच्चे की तलाश शुरू कराई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना ग्राम प्रधान पति भोले राम कश्यप और विधायक डॉ एम पी आर्य को दी तो विधायक ने एडीआरएफ की टीमों को मौके पर बुला लिया। कुछ समय बाद एडीआरएफ की टीमों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर नदी में सर्च अभियान शुरू कर दिया। लेकिन देर शाम तक शिवांशु के नहीं मिलने से नदी किनारे चीख पुकार मची हुई है। बच्चों के नदी में नहाने जाने की जबकि कुछ लोग शौच करने जाने की बात कह रहे हैं।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि नदी में तीन बच्चे डूबे थे। रामबीर, सुभाष को ग्रामीणों ने बचा लिया। जबकि शिवांशु लापता है। उसकी नदी में तलाश जारी है। फोटो क्योलड़िया के सुन्नौर गांव के पास बहने वाली पनघैली नदी में बच्चों की तलाश करते ग्रामीणमरीपनघैली नदी में तीन बच्चे डूबे, दो बच्चों को बचाया, तीसरे की तलाश में गोताखोरों की टीमें जुटीं। क्योलड़िया पनघैली नदी किनारे शनिवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक बच्चे को डूबता देखकर उसे बचाने के लिए दो अन्य बच्चे नदी में कूद पड़े। देखते ही देखते तीनों बच्चे गहरे पानी में समा गए। ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर दो बच्चों को बाहर निकाल लिया, लेकिन 13 वर्षीय शिवांशु नदी की लहरों में लापता हो गया। देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार में कोहराम मचा रहा। सूचना पर एसडीएम पुलिस और एनडीआरफ की टीमों ने तीसरे बच्चे की तलाश में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। देर शाम तक एसडीएम सचिन यादव और पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों के साथ सर्च अभियान चला रहे थे।

ग्रामीणों के अनुसार मुड़िया जगरूप निवासी रामबीर 10 वर्ष, गांव निरंदापुर निवासी शिवांशु 13 वर्ष, गांव सुन्नौर निवासी सुभाष 14 वर्ष दोपहर पनघैली नदी किनारे गए थे। बताया जा रहा है अचानक सुभाष का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जाने लगा। उसे बचाने के लिए शिवांशु और रामबीर भी नदी में कूद पड़े। कुछ ही पलों में तीनों बच्चे डूबने लगे। नदी किनारे मौजूद ग्रामीणों ने बच्चों को पानी में छटपटाते देखा तो चीख-पुकार मच गई। इसी दौरान वहां पर पशु चरा रहे ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगा दी और रामबीर व सुभाष को बाहर निकाल लिया, लेकिन ग्रामीण शिवांशु का नदी के गहरे पानी में नहीं ढूंढ सके। उसका पता नहीं चल सका।

शिवांशु के लापता होने की सूचना मिलते ही उसके स्वजन बदहवास होकर नदी किनारे पहुंच गए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस भी पहुंची और ग्रामीणों के साथ लापता बच्चे की तलाश शुरू कराई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना ग्राम प्रधान पति भोले राम कश्यप और विधायक डॉ एम पी आर्य को दी तो विधायक ने एडीआरएफ की टीमों को मौके पर बुला लिया। कुछ समय बाद एडीआरएफ की टीमों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर नदी में सर्च अभियान शुरू कर दिया।

राष्ट्रीय एकता क्लब के फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

खेल से युवाओं में बढ़ती है एकता और अनुशासन की भावना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड अंतर्गत खुटवाटांड (यादव टोला, विजैया) में राष्ट्रीय एकता क्लब के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को विधिवत एवं भव्य शुभारंभ हुआ। बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव मौजूद रहे। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में जेएलकेएम केंद्रीय सचिव सह बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कृष्णा यादव, जेएलकेएम नेता महेंद्र मण्डल सहित अन्य अतिथियों ने फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि खेल आयोजनों से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आपसी भाईचारे एवं एकता की भावना विकसित होती है। खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। वहीं जेएलकेएम नेता कृष्णा यादव ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिताओं के आयोजन से गांव के युवाओं को अपने हुनर दिखाने का अवसर मिलता है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के लिए पंजीकरण शुल्क 1111 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता के विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में फ्रिज तथा उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 32 इंच की एलईडी टीवी प्रदान की जाएगी। सभी मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। मौके पर राष्ट्रीय एकता क्लब के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

घाटमपुर में पेयजल संकट से जनता परेशान, ज्ञापन सौंपने की चेतावनी

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर क़स्बे में पेयजल की समस्या गंभीर होती जा रही है,, पानी की समुचित आपूर्ति नहीं होने के कारण आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क़स्बे के लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से पेयजल व्यवस्था को तत्काल दुरस्त कराने की मांग की हैं, आपको बताते चलें कि घाटमपुर क़स्बे में भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी, कांशीराम,की घाटमपुर टीम ने कहा कि क़स्बे की पेयजल समस्या को लेकर नगरपालिका एवं संबंधित अधिकारियों को जल्द ज्ञापन सौंपा जाएगा, टीम ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तों जनता की आवाज को लेकर आन्दोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे घाटमपुर शेर अरविंद कुमार बौद्ध ने कहा कि जनता की समस्याएंओ को उठाना उनकी जिम्मेदारी है, पेयजल संकट के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

व्यापारी वर्ग चुनाव में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा- अनिल वैद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने व्यापारियों के बीच अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। रविवार को कस्बे के जयप्रकाश नगर स्थित आदित्य भवन में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव अनिल वैद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मौजूदा सरकार में जीएसटी की जटिलताओं से व्यापारी बुरी तरह त्रस्त है। हर कदम पर अपने हो रहे उत्पीड़न और अत्याचार से आहत व्यापारी वर्ग अब भाजपा से मुक्ति पाने के लिए चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। सपा संगठन ने 3 सितंबर को ललितपुर में मंडल स्तरीय व्यापारी महासम्मेलन आयोजित करने का भी ऐलान किया है जिसमें हजारों की संख्या में व्यापारी सहभागिता करेंगे।

सपा व्यापार सभा के प्रदेश सचिव ने कहा कि व्यापारी अब अपने अधिकारों और समस्याओं को लेकर जागरूक हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि महा सम्मेलन में पूरे मंडल से हजारों व्यापारी शामिल होंगे और अपनी मांगों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में व्यापारियों पर कथित अत्याचार, जीएसटी की जटिलताओं और व्यापारी सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सपा शासनकाल में व्यापारियों के लिए किए गए कार्यों को भी प्रमुखता से रखा जाएगा। उन्होंने कहा, व्यापारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान जरूरी है। उन्होंने प्रदेश भर के व्यापारियों से सम्मेलन में बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की। वार्ता के दौरान वैद ने पूर्व की सपा सरकारों में जिले के भीतर हुए तमाम कार्यों को भी गिनाया।

यूपी टी-20 क्रिकेट मैच में शामिल होकर खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

कानपुर। आज दिनांक 30 अगस्त 2026 को ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में लखनऊ फाल्कंस और गोरखपुर लायंस के बीच आयोजित यूपी टी-20 क्रिकेट मैच में अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि खेल युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का संचार करता है तथा उन्हें उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने यूपी टी-20 लीग के अध्यक्ष संजय कपूर, उनकी पूरी टीम और सभी टीमों के प्रशिक्षकों को भी शुभकामनाएं दीं।

आकाशीय बिजली का कहर, चार महिलाएं झुलसीं; कई घरों के विद्युत उपकरण फुंके

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलड़िया। धीमरी गांव में रविवार शाम करीब चार बजे आकाशीय बिजली गिरने से तेज धमाके के साथ अफरातफरी मच गई। हादसे में चार महिलाएं झुलस गईं, जबकि कई घरों के विद्युत उपकरण और मीटर फुंक गए। घायलों को उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार वीरपाल के घर के सामने चौराहे के पास तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिरी। बिजली गिरने से मौके पर गड्ढा हो गया। उस समय विद्युत आपूर्ति चालू होने के कारण आसपास के कई घरों में करंट के झटके महसूस हुए और पंखे, मोबाइल समेत विद्युत उपकरण जल गए। गांव निवासी राजेश्वरी देवी घर में खाना

खा रही थीं। बिजली गिरने के झटके से वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। दीवार का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। परिजन उन्हें नवाबगंज के निजी अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई।

साक्षी तोमर पशुओं के लिए चारा डालने गई थीं। इसी दौरान चारा मशीन में करंट उतरने से उन्हें जोरदार झटका लगा और वह बेहोश हो गईं। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें बरेली रेफर कर दिया। इसी तरह प्रेमवती की झोपड़ी में बिजली गिरने से धुआं उठने लगा और विद्युत मीटर जल गया। वह भी झटका लगने से बेहोश हो गईं। मधु देवी भी बिजली का झटका लगने से गिरकर घायल हो गईं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने गांव पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली। गन्ना समिति उपाध्यक्ष सर्वेश कुमार ने प्रशासन से घायलों को दैवीय आपदा राहत के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। घटना के बाद गांव में देर शाम तक दहशत का माहौल रहा।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति पटना रोड की बैठक में पूजा को भव्य बनाने पर बनी रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- आगामी दुर्गा पूजा को भव्य एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, पटना रोड बरही की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भुवनेश्वर साहू ने की, जबकि संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सह सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी ने किया। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा को पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पूजा के सफल आयोजन, श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान पूजा आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए नई

समिति का गठन भी किया गया। सर्वसम्मति से राजेश कुमार साव उर्फ पांडे जी को समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं सुनील कुमार साहू को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा दीपेश कुमार साहू, दीपक कुमार साहू एवं गोविंद यादव को उपाध्यक्ष बनाया गया। विशेश्वर प्रसाद को सचिव, राहुल पांडे को सह सचिव, शीतल साहू को कोषाध्यक्ष तथा रंजन कुमार को उप कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। वहीं सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, भुनेश्वर साहू, अमित साहू, गोविंद साहू, मुखिया सिकंदर राणा, पूर्व मुखिया दिनेश साहू, नागेंद्र साव को समिति का संरक्षक मनोनीत किया गया। समिति की कार्यकारिणी में सुनील साहू, देवीलाल साहू, संतोष केशरी, सुरेश साह, प्यारे लाल साहू, विकास साहू, नितेश साहू एवं रामकुमार साहू को सदस्य के रूप में नामित किया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि दुर्गा पूजा बरही के प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में से एक है। इसे सफल बनाने के लिए समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने आगामी दुर्गा पूजा को भव्य, आकर्षक एवं हर्षोल्लासपूर्ण बनाने के लिए पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

मियागंज रेलवे साइडिंग किनारे के लोगों ने विधायक को बताई अपनी समस्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने रविवार को मियांगंज रेलवे साइडिंग के आसपास रहने वाले लोगों और वहां दुकानों का संचालन करने वाले दुकानदारों व व्यापारियों के साथ मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी जिसमें लोगों ने रेलवे स्टेशन से मियांगंज की साइडिंग पर विभाग द्वारा दीवार बनाने की बात बताई, कहा कि अगर दीवार बनी तो दर्जनों घरों और दुकानों के दरवाजे बंद हो जाएंगे।

रेल विभाग, कोंच रेलवे स्टेशन से मियांगंज की ओर जाने वाली रेलवे की साइडिंग के किनारे फेंसिंग करने की योजना बना रहा है जिससे वहां के घरों और दुकानों की बर्बादी तय मानी जा रही है। भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल और पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के साथ पीएम के मन की बात कार्यक्रम सुनने जवाहर नगर स्थित ज्ञानेंद्र सेठ के प्रतिष्ठान पर पहुंचे विधायक को इलाकाई लोगों व दुकानदारों ने ज्ञापन देकर बताया कि रेलवे स्टेशन से

मियागंज/रामगंज की ओर पूरब से पश्चिम दिशा में आबादी होने के कारण करीब 50 फीट चौड़ी सड़क पिछले छह दशक से सार्वजनिक रूप में प्रयोग हो रही है। इस रास्ते को रेल विभाग दीवार बनाकर अवरूद्ध करने की योजना बना रहा है। जबकि संदर्भित रास्ते के पास आबादी व व्यवसायिक क्षेत्र बड़ी अच्छी स्थिति में मौके पर है और दीवार बनाकर रास्ता अवरूद्ध करने से हजारों परिवार व व्यवसायिक दुकानें प्रभावित होंगी तथा आवागमन पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाएगा। वहां रास्ते का और कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने विधायक से मांग की है कि व्यापक जनहित में रेल विभाग/मंत्रालय में संपर्क कर रास्ता अवरुद्ध होने से बचाया जाए। इस दौरान सेठ नासिर, अनवार अहमद, नितिन अग्रवाल, मकसूद अहमद, मोहन गुप्ता, कुलदीप, प्रमोद अग्रवाल, अर्जुन चौरसिया, अहमद कार, रवींद्र चौरसिया, गफ्फार, किशोरी लाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे। हालांकि विधायक को व्यापारियों और मियांगंज की साइडिंग के आसपास रहने वाले लोगों की समस्या की जानकारी पहले से ही थी, लिहाजा वह 30 अगस्त को ही केंद्रीय मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को इस आशय की चिट्ठी लिख चुके थे जिसमें उन्होंने मोहल्ला मियांगंज के बाशिंदों एवं व्यापारियों की समस्या से अवगत कराते हुए कहा है कि रेलवे विभाग द्वारा रास्ता अवरुद्ध कर बाउंड्रीवॉल बनाने की योजना बनाई जा रही है जिससे सैकड़ों परिवार एवं व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे एवं भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे। विधायक ने रेलमंत्री से अनुरोध किया है कि नगरवासियों एवं व्यापारियों के हित में निर्णय लेते हुए संबंधित को निर्देश देने की कृपा करें। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक झांसी को भी इसकी प्रतिलिपि भेजी है।

कोंच(जालौन)- रेलवे स्टेशन पर गुड्स शेड निर्माण के बीच रेलवे अपनी जमीन के चारों ओर बाउंड्रीवॉल बनाने जा रही है। रेलवे विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब 1.17 करोड़ रुपये की लागत से 2.8 किलोमीटर लंबी और छह फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल बनाई जाएगी। जमीन खाली कराने के लिए रेलवे की ओर से चेतावनी और नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस मिलने के बाद रेलवे की जमीन के किनारे रहने वाले कई लोगों ने अपना कब्जा हटाना शुरू भी कर दिया है। बाउंड्रीवॉल बनने की खबर के बाद आसपास रहने वाले तमाम लोगों में हड़कंप है।

पहूंज नदी में डूबे हरीशंकर का 48 घंटे बाद भी पता नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम सलैया बुजुर्ग के नजदीक से निकली पहूंज नदी में बीते गुरुवार की शाम नहाने उतरा गांव का 28 वर्षीय युवक हरीशंकर कौरव उर्फ हरी पुत्र पहलवान सिंह का तमाम प्रयासों के बाद 48 घंटे बीत जाने पर भी पता नहीं चल सका है। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें सलैया बुजुर्ग गांव से करीब 13 किमी दूर यूपी/एमपी बॉर्डर पर नदीगांव थाना क्षेत्र के मऊ मिहौनी के समीप नदी पर बने पुल के नीचे पानी में एक व्यक्ति तेज बहाव में आगे की ओर बहकर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो को लेकर कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश पटेल ने बताया कि

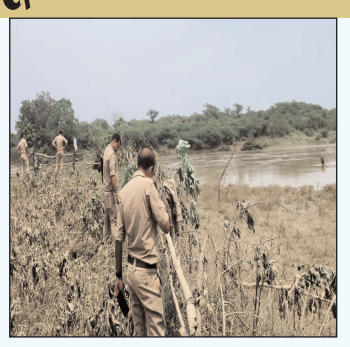

शनिवार की शाम पुल पर खड़े किसी युवक ने वह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है, लेकिन वीडियो बनाने वाले युवक ने तत्काल ही इसकी कोई सूचना थाना कैलिया अथवा नदीगांव पुलिस को नहीं दी। वायरल वीडियो के आधार पर रविवार को थानाध्यक्ष नदीगांव राजकुमार चौधरी व उन्होंने स्वयं दोनों थानों की पुलिस के साथ मिलकर मऊ मिहौनी पुल से आगे बीहड़ क्षेत्र में करीब 3 किमी तक सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन फिलहाल सफलता हाथ नहीं लग सकी है। थानाध्यक्ष का कहना है कि जो वायरल वीडियो है उसमें पानी के तेज बहाव में बहकर जा रहे व्यक्ति का सिर पानी में नीचे की ओर है जिससे उसकी पहचान न हो पाने पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं , वायरल वीडियो को लेकर हरिकिशोर के परिजन चिंतित हैं। उधर, क्षेत्र से बाहर अन्य घटनाएं घटित होने के चलते यहां सर्च ऑपरेशन में लगी एनडीआरएफ और पीएसी की फ्लड टीम रविवार को यहां से गैर क्षेत्रों में चली गई।

● सर्च ऑपरेशन जारी, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने परिजनों की बढ़ाई चिंता

गौरतलब हो कि ग्राम सलैया बुजुर्ग निवासी हरीशंकर कौरव गुरुवार की शाम करीब 6 बजे नहाने के लिए पहूंज नदी के पुल के पास जा पहुंचा था। उस समय मौके पर ही मौजूद गांव की कविता ढीमर और राघवेंद्र कौरव ने पुलिस को दी सूचना में बताया था कि उन्होंने हरीशंकर को नदी में उतरने से रोकने के लिए काफी शोर मचाया लेकिन वह नहीं माना और गुस्सा करता हुआ नहाने के लिए नदी के अंदर चला गया। चंद समय के बाद ही वह पानी में डूब गया।

हाईवे किनारे खड़े 162 वाहनों पर बड़ी कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 162 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की जाती है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

प्लस टू उच्च विद्यालय नारायणपुर में खेल-कूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- रविवार को राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय नारायणपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का साइकिल शोभायात्रा के साथ समापन हुआ। विद्यालय के विद्यार्थियों ने जन जन तक यह जागरूकता फैलाने का काम किया।इस अवसर पर पंसस पवन पोद्दार ने कहा कि खेल और अनुशासन का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए खेल का होना आवश्यक है। तीन दिवसीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में 80 विद्यार्थियों ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर पुरस्कार के भागे बने। इसके अतिरिक्त विद्यालय में प्रथम एमसी बैठक का भी आवेदन किया गया । जिसमें विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति एवं अभिभावकों के द्वारा बच्चों के बीच पुरस्कार एवं मिष्ठान वितरण किए गया। स्कूल के प्रधानाचार्य सौरभ मालवीय ने खेल के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

नैनी में 273 करोड़ के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त नाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने नैनी के विस्तारित क्षेत्र के 10 नए वार्डों में पेयजल आपूर्ति के लिए ?273 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और ?186 करोड़ की लागत से बन रहे 50 एमएलडी एसटीपी का निरीक्षण किया। जल निगम (नगरीय) के अधिकारियों के साथ निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परियोजना का लेआउट प्रस्तुत करते हुए बताया कि यमुना से प्रस्तावित इनटेक वेल्स के माध्यम से पानी पाइपलाइन द्वारा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक लाया जाएगा, जहां उपचार के बाद नैनी के 10 नए वार्डों में आपूर्ति की जाएगी। निरीक्षण के दौरान साइट पर एक भी श्रमिक उपस्थित नहीं मिला और अटेंडेंस रजिस्टर भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। संबंधित एई रबन गंगवार अवकाश पर बताए गए और उनके स्थान पर मौजूद एई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पूछताछ में रक्षाबंधन अवकाश के कारण श्रमिकों के घर जाने की बात कही गई।समीक्षा में पाया गया कि परियोजना 18 जुलाई 2024 को अवार्ड हुई थी और जुलाई 2027 तक पूर्ण होनी है, लेकिन 60 प्रतिशत प्रगति के सापेक्ष अब तक मात्र 20-25 प्रतिशत कार्य ही हुआ है। एक्सईएन अमित राज ने बताया कि धीमी प्रगति के कारण कार्यदायी संस्था विष्णु प्रकाश आर पुगलिया लिमिटेड, राजस्थान को जल निगम (नगरीय) के मुख्य अभियंता (परचेज) स्तर से 17 जून 2026 को डिबार किया जा चुका है। इस पर नाराजगी जताते हुए मंडलायुक्त ने अनुपस्थित एई रबन गंगवार के विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि एवं स्थानांतरण की संस्तुति शासन को भेजने के निर्देश दिए।यमुना से पानी लेने के लिए प्रस्तावित इनटेक वेल्स का निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की अनुमति लंबित है, जबकि सिंचाई विभाग से अनुमति मिल चुकी है। मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी प्रयागराज को समन्वय कर लंबित अनुमति शीघ्र प्राप्त कराने और कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। इसके बाद मंडलायुक्त ने प्रयागराज सीवरेज डिस्ट्रिक्ट-ए, नैनी परियोजना के तहत ?186 करोड़ की लागत से बन रहे 50 एमएलडी क्षमता के नए एसटीपी का निरीक्षण किया। यहां 77 प्रतिशत कार्य पूर्ण पाया गया। परियोजना को 3 जुलाई 2026 तक पूरा होना था, लेकिन अब दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र सिंह परमार ने बताया कि पिछले वर्ष बाढ़ से पूरा क्षेत्र जलमग्न होने से कार्य प्रभावित हुआ था। इस एसटीपी में स्लज वाटर का उपचार कर 30 बीओडी से कम मानक वाला उपचारित जल एनजीटी मानकों के अनुरूप डिस्चार्ज किया जाएगा, जिससे जनपद के अन्य एसटीपी पर पड़ रहे अतिरिक्त भार को कम करने में मदद मिलेगी। मंडलायुक्त ने दोनों परियोजनाओं में नियमित मॉनिटरिंग और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्णता के निर्देश दिए।

भागवत न्यूयॉर्क में बोले- 'मुसलमानों को देश से निकालने की बात करने वाले हिंदू नहीं रह सकते'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारत में हिंदू-मुसलमान नैरेटिव के लिए लगातार आलोचना झेलने वाले आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में अब कहा है कि जो हिंदू मुसलमानों को देश से बाहर करना चाहते हैं, वे हिंदू नहीं रह सकते हैं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई दक्षिणपंथी सोशल मीडिया यूज़रों ने नाराजगी जताई, जबकि कई लोगों ने इसे हिंदुत्व की समावेशी व्याख्या बताया। मोहन भागवत न्यूयॉर्क में AHEAD फोरम द्वारा आयोजित Faith Leaders Conference को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और यहूदी धर्म के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि वर्ष 2018 में उनके व्याख्यान के दौरान कुछ मुस्लिम प्रतिनिधियों ने उनसे पूछा था कि 'क्या हिंदू राष्ट्र का मतलब मुसलमानों को भारत से निकाल देना है?' इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने तब भी कहा था और आज भी कहता हूं कि यह हिंदुत्व नहीं है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए तो वह हिंदू नहीं रह सकता।' भागवत ने कहा कि हिंदू होने का अर्थ है यह मानना कि सभी धर्म अंततः एक ही परम सत्य या ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं और हर इंसान समान सम्मान का अधिकारी है। आरएसएस की राजनैतिक ईकाई मानी जाने वाली बीजेपी रोहिंग्या, बांग्लादेशी मुसलमान, 'अवैध घुसपैठिए', सीएए, एनआरसी को लगातार मुद्दा बनाती रही है लेकिनअब न्यूयॉर्क में भागवत ने कहा कि भारत की परंपरा हमेशा से विविधता को स्वीकार करने की रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जब लोगों को अपने धर्म के कारण उत्पीड़न का सामना करना पड़ा तब भारत ने उन्हें शरण दी। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान 'एकता में विविधता' है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां और धर्म समाज की सुंदरता हैं। भागवत ने कहा, 'विविधता प्रकृति का नियम है, लेकिन उसके पीछे एकता का सत्य छिपा है। जैसे मैं अपनी पहचान की रक्षा करता हूं, वैसे ही मुझे दूसरे की पहचान की भी रक्षा करनी चाहिए।' उनके अनुसार समाज में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन उनका समाधान संवाद और परस्पर सम्मान से ही निकल सकता है। मोहन भागवत न्यूयॉर्क में कुछ भी बोले हों, लेकिन बीजेपी लंबे समय से रोहिंग्या शरणार्थियों, बांग्लादेशी मुसलमानों और अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाती रही है। इस मुद्दे को देश के गृहमंत्री अमित शाह से लेकर पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी, असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा तक लगातार उठाते रहे हैं। वे खुलेआम इन्हें देश से बाहर निकालने की बात करते रहे हैं। लेकिन ऐसे मौक़ों पर मोहन भागवत के ऐसे बयान नहीं दिखे। न्यूयॉर्क में भागवत ने कहा कि आरएसएस समाज के माध्यम से बदलाव लाने में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि राजनीति पर प्रभाव डालना जरूरी है, लेकिन इसकी शुरुआत सीधे राजनीति से नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'आज राजनीति काफी हद तक स्वार्थ का खेल बन गई है। जहां केवल 'मैं' और 'मेरा' होता है, वहां समाधान नहीं निकलता।

संक्षिप्त खबरें

अधिवक्ता पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, 10-15 लोगों पर केस दर्ज।

नैनी प्रयागराज । नैनी कोतवाली क्षेत्र के अरैल इलाके में एक अधिवक्ता पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। 10-15 लोगों की भीड़ ने अधिवक्ता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर 6 नामजद और 7-8 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमन पाण्डेय पुत्र रविन्द्र पाण्डेय निवासी चक हीरा नंद, अरैल, नैनी प्रयागराज जनपद न्यायालय में अधिवक्ता हैं।शानिवार को रात करीब 9 बजे वह गंगोत्री नगर में साम रेस्टोरेंट के बगल वाली गली में स्थित अन्नू की चाय की दुकान के बाहर चाय पीने के लिए खड़े थे, तभी 10-15 की संख्या में लोग एक राय होकर जान से मारने की नियत से उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में अमन के सिर पर गंभीर चोट आई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। भीड़ के आने पर उनकी जान बच सकी।होश में आने पर वहां मौजूद लोगों ने बताया कि शाम 6 बजे के करीब इन्हीं लोगों ने वैभव सिंह पुत्र भूपेन्द्र प्रताप सिंह, अदनान अली पुत्र महफूज अली और मो0 इमरान पुत्र इसरार अहमद को भी मारा है।पीड़ित ने तहरीर में बताया कि हमलावरों के नाम सुमित कुमार पुत्र बाबू जी, आदित्य कुमार पुत्र सच्चा लाल, रिशु पुत्र बाबू जी उर्फ राम विलास, अयान पुत्र मो0 साजिद, विशाल भारतीय पुत्र कैलाश भारतीय व कल्लू भारतीय पुत्र रामकैलाश एवं 7-8 अज्ञात लोग हैं, जो मारपीट और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर पर नैनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ।

महफिले समां कव्वाली में क़व्वालों ने पेश की नज़्म

फूलपुर प्रयागराज। सूफी संत चिश्ती हजरत मौलाना सैयद शाह सिकन्दर अली रहमतुल्लाह अलय की मजार पर तीन दिवसीय लगने वाले उर्स मेले में शनिवार को कव्वालों ने बाबा की शान में अपनी नज्में पेश कर सभी का मन मोह लिया। शनिवार शाम को बाद नमाज असर गुस्ल

का कार्यक्रम सज्जादा नसीन सैयद हाफिज सदरूल हसन के दरवाजे से हजारों की तादात में आये अकीदतमंदो ने फतीहा पढते हुए बाबा की मजार पर रात्रि बारह बजे चादरपोशी किया गया। शनिवार सुबह फजर नमाज बाद कुरानखानी व दोपहर महफिल समां कौव्वाली के बाद कुलशरीफ का फतीहा हुआ। कव्वालों ने बाबा की याद में कलामें पढ़कर मंत्र मुग्ध कर दिया। मेले में गृहस्थी का सामान खरीदने के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ी वही बच्चों ने बेबी झूले का आनंद लिया। मेले में आए सभी श्रद्धालु व प्रशासन के प्रति मेला कमेटी के किबला नयाबे सज्जादा सैफुल हसन,मुजम्मिल हसन,जियाउल हसन, मोहम्मद इकराम, कमलेश कुमार यादव,गुलाब सिंह यादव,शहीद हसन,एडवोकेट मोहम्मद अरफान, वकार ईशा, सहाब ,कलीम, सरताज, फरीदुद्दीन, सहरोज अख्तर,मसूद अहमद सरफराज,एहतेशाम ने आभार व्यक्त किया।

हण्डिया पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्ज से घटना में प्रयुक्त 01 लोहे की रॉड, 01 चाकू, बरामद।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। थाना हण्डिया क्षेत्रांतर्गत ग्राम बनपुरवा (सरायपीथा) निवासिनी ज्ञान देवी पत्नी स्व0 सुशील कुमार द्वारा थाना हण्डिया पर सूचना दी गई कि दिनांक-03.07.2026 को उनके पति सुशील कुमार की मृत्यु होने के बाद से ही उनके जेठ दारा सिंह उर्फ सुनील कुमार द्वारा लगातार उन्हें प्रताड़ित कर मारपीट किया जा रहा था, तथा दिनांक-29.08.2026 को दारा सिंह उर्फ सुनील कुमार द्वारा मुकदमा वादिनी का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। बीच-बचाव करने आयी मुकदमा वादिनी की जेठानी को भी दारा सिंह उर्फ सुनील कुमार द्वारा जान से मारने की नियत से लोहे की रॉड़ से हमला करते हुए गला दबाया गया जिससे वह बेहोश हो गई । पत्नी को मृत समझकर अभियुक्त ने घर में रखे चाकू से स्वयं को चोटिल कर लिया । पीड़िता के अनुसार अभियुक्त ने परिजनों को नुकसान पहुँचाने की नियत से घर में जहरीला पदार्थ भी छिपाकर रखा है। प्रकरण के सम्बन्ध में मुकदमा वादिनी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर दिनांक 29.08.2026 को थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-461/2026 धारा-115(2)/109(2) पंजीकृत किया गया। थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-461/26 धारा-115(2)/109(1) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित वांछित अभियुक्त सुनील कुमार गौतम उर्फ दारा पुत्र स्व0 इन्द्रजीत गौतम निवासी ग्राम बनपुरवा सरायपीथा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-30.08.2026 थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत धनूपुर ब्लाक के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त सुनील कुमार गौतम उर्फ दारा उपरोक्त के कब्जे/निशादेही से घटना में प्रयुक्त 01 लोहे की रॉड, 01 चाकू तथा सफेद पाउडर व काला पदार्थ बरामद करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी

नैनी स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम-पट अधूरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

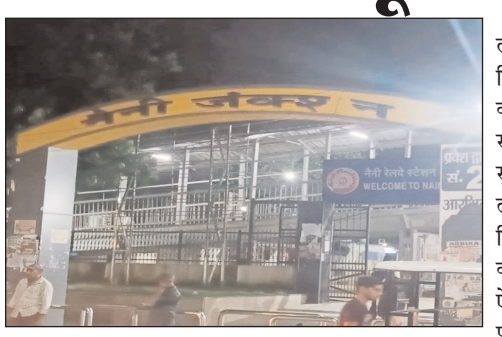

नैनी, प्रयागराज। नैनी जंक्शन की पहचान बताने वाला मुख्य प्रवेश द्वार इन दिनों रेलवे की अनदेखी का शिकार नजर आ रहा है। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर लगा बड़ा नाम-पट क्षतिग्रस्त होने के कारण अधूरा दिखाई दे रहा है। 'नैनी स्टेशन' लिखे नाम-पट से एक मात्रा गायब होने के कारण स्टेशन की पहचान ही सही तरीके से प्रदर्शित नहीं हो पा रही है।नैनी रेलवे स्टेशन यमुनापार के प्रमुख रेलवे केंद्रों में शामिल है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है तथा देश के विभिन्न प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली ट्रेनों का संचालन होता है। ऐसे महत्वपूर्ण स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर लगा नाम-पट लंबे समय से अधूरा दिखाई देना रेलवे की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।विकास के दावों के बीच छोटी-सी मरम्मत भी भारी?प्रवेश द्वार के नाम-पट की तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि 'नैनी स्टेशन' का नाम पूरा नहीं है। बताया जा रहा है कि नाम-पट से गायब हुई मात्रा संभवतः गिर गई है, लेकिन अब तक उसे ठीक नहीं कराया गया। रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों की नजर इस खामी पर क्यों नहीं पड़ी, यह सवाल स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।रेलवे की ओर से लगातार स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किए जाने का दावा किया जाता है। ऐसे में स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर नाम-पट का टूटा और अधूरा दिखाई देना रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।तत्काल मरम्मत की मांग स्थानीय यात्रियों और क्षेत्रवासियों ने रेलवे अधिकारियों से मांग की है कि प्रवेश के नाम-पट का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और गायब मात्रा को लगवाकर इसे व्यवस्थित किया जाए। नैनी स्टेशन की पहचान को दोबारा सही रूप में प्रदर्शित किया जाए।

शादी के 19 साल बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति समेत चार पर हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शादी के करीब 19 वर्ष बाद एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने उसके पति समेत चार लोगों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़वा कलां, टीएसएल नैनी निवासी मृतका के भाई अनुज कुमार तिवारी पुत्र सुशील कुमार तिवारी ने पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मनौरी रोड, मनौरी चौराहा निवासी मृतका के पति हरिशंकर पांडेय, उसके पिता अवध नारायण पांडेय, अनिल पांडेय और विपिन पांडेय के खिलाफ नामजद शिकायत दी है। एफआईआर में अनुज कुमार तिवारी ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन माया पांडेय का विवाह करीब 19 वर्ष पूर्व हरिशंकर पांडेय के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ वर्षों बाद से ही माया को ससुराल में मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा था। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि करीब दस वर्ष पूर्व माया को कथित रूप से जहर देकर जान से मारने का प्रयास किया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे जीवन ज्योति अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक, उस समय चिकित्सकों ने सल्फास खिलाए जाने की आशंका जताई थी।मृतका के भाई का आरोप है कि घटना के बाद माया ने थाने में शिकायत भी की थी, लेकिन उसके पति के पुलिस विभाग में होने के प्रभाव के कारण अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी। आरोप है कि इसके बाद भी माया को लगातार धमकाया जाता रहा और उसे मायके पक्ष के लोगों से शिकायत करने से रोकने का प्रयास किया गया। एफआईआर के मुताबिक, 27 अगस्त की रात करीब 9:27 बजे माया ने अपने भाई की पत्नी को फोन किया था। आरोप है कि फोन पर वह रोते हुए ससुराल पक्ष द्वारा मानसिक एवं शारीरिक रूप से परेशान किए जाने की बात बता रही थी। उसने कथित तौर पर यह भी कहा कि उसे किसी भी समय जान से मारा जा सकता है। इसी दौरान फोन कट गया।इसके बाद 29 अगस्त की सुबह करीब 10:30 बजे परिजनों को माया की मौत की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। भाई ने अपनी तहरीर में आशंका जताई है कि उसकी बहन की हत्या की गई है।मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक रश्मि निर्मल को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर ही माया की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।रविवार शाम पोस्टमार्टम के बाद मायके पक्ष के लोगों ने माया के शव का अंतिम संस्कार दारागंज घाट पर कर दिया। घटना के बाद नैनी स्थित मायके में मातम पसरा हुआ है।

थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के 02 मोबाइल फोन बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। थाना सरायइनायत क्षेत्रांतर्गत रिंग रोड के पास से मोबाइल चोरी होने के सम्बन्ध में मुकदमा वादी अमित यादव पुत्र अनिल कुमार यादव निवासी कटका थाना झूंसी द्वारा ई-थाना पोर्टल पर Lost Article Report दर्ज करायी गयी थी, जिसके आधार पर थाना सरायइनायत पर मु0अ0सं0-258/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया था। थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मु0अ0सं0-258/26 धारा-303(2) भा0न्या0सं0 से सम्बंधित 02 अभियुक्त 1. अफसर अली उर्फ कुल्लु पुत्र असरान खान निवासी ग्राम चैनपुर तेन्दुई थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज 2. रोहित भारतीया पुत्र शोभनाथ निवासी ग्राम हबुसा मोड़ थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-30.08.2026 थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत नसीरापुर स्थित रिंग रोड रेलवे लाइन के पास से मुकदमा उपरोक्त से सम्बंधित चोरी के 01 मोबाइल फोन तथा चोरी की 01 अन्य मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-317(2) भा0न्या0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी ।

जाँच पूरी होने तक स्टेट बार काउंसिल NALSAR के 2026 बैच के ग्रेजुएट का एनरोलमेंट न करें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। काफ़ी विरोध के बाद, BCI ने वह पत्र वापस ले लिया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने BCI की कार्रवाई पर सवाल उठाए और निर्देश दिया कि छात्रों या फैकल्टी के खिलाफ़ कोई दंडात्मक कदम न उठाया जाए। इसके बाद यह विवाद बेंगलुरु की नेशनल लॉ स्कूल ऑफ़ इंडिया यूनिवर्सिटी तक पहुँच गया, जब वहाँ से पास होने वाले छात्रों ने यूनिवर्सिटी के 2026 के दीक्षांत समारोह में CJI और BCI चेयरमैन के शामिल होने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। इसके बाद, NLSIU ने 'अनिवार्य परिस्थितियों' का हवाला देते हुए अपना दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया और कहा कि छात्रों को डिग्री 'गैर-मौजूदगी' में दी जाएगी। इस माहौल में, जस्टिस भुइयां ने ज़ोर देकर कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में विचारों की सहमति या एकरूपता ज़रूरी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा संविधान विचारों की एकरूपता नहीं चाहता। यह एक ऐसा ढांचा बनाता है जिसमें अलग-अलग विश्वास, राय और सोच रखने वाले लोग समान सम्मान के साथ रह सकें और एक साझा लोकतांत्रिक जीवन में हिस्सा ले सकें। असहमति को सहन करने के महत्व पर ज़ोर देते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा: 'एक लोकतांत्रिक समाज इस बुनियाद पर नहीं बन सकता कि हर कोई एक जैसा सोचेगा। यह इस समझ पर बनता है कि मतभेद होंगे और उन मतभेदों को व्यापक संवैधानिक ढांचे के भीतर जगह दी जानी चाहिए। हमारा संविधान सहिष्णुता के इस विचार को गहरा अर्थ देता है। यह हमसे अपनी अलग पहचान छोड़ने के लिए नहीं कहता। यह मानता है कि एक आज़ाद समाज में अलग-अलग राय, विश्वास और दुनिया को देखने के अलग-अलग नज़रिए होंगे। अपनी राय ज़ाहिर करने, प्रचलित सोच से असहमत होने और सार्वजनिक जीवन में हिस्सा लेने की आज़ादी तभी सार्थक होगी जब असहमति के लिए जगह हो।' जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि असहिष्णु सोच मूल रूप से संविधान की भावना के खिलाफ है और असहिष्णुता खुद 'हिंसा का एक और रूप' बन सकती है। उन्होंने ज़ोर दिया कि असहमति या अलग राय को छात्रों को चुप कराने या सज़ा देने का आधार नहीं बनाया जा सकता। 'असहिष्णु सोच, अपनी प्रकृति से ही, संविधान की भावना के खिलाफ है। यह हिंसा के एक और रूप का प्रदर्शन है। भारत बुद्ध और गांधी की धरती है। भारत शांति और सहिष्णुता की धरती है। हमारे समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। हमारा संविधान बोलने, सोचने और अलग तरह से विश्वास करने की आज़ादी की रक्षा करता है। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि अगर हम एक ऐसा लोकतांत्रिक समाज चाहते हैं जो आज़ादी और अलग-अलग विचारों का सम्मान करे, तो इस संस्कृति की शुरुआत विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए। उन्होंने ज़ोर दिया कि उच्च शिक्षा के संस्थानों को ऐसी जगह होनी चाहिए जहाँ छात्रों को आज़ादी से सोचने, स्थापित मान्यताओं पर सवाल उठाने और मुश्किल विचारों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। 'अगर हम एक ऐसा लोकतांत्रिक समाज चाहते हैं जो आज़ादी और अलग-अलग विचारों का सम्मान करे, तो इस संस्कृति की शुरुआत विश्वविद्यालयों से होनी चाहिए। मेरी नज़र में, विश्वविद्यालय उन पहली जगहों में से एक होना चाहिए जहाँ आज़ादी से सोचने की आदत शुरू होती है। यह एक ऐसी जगह होनी चाहिए जहाँ किसी विचार को सिर्फ़ इसलिए स्वीकार न किया जाए क्योंकि वह जाना-पहचाना है, और जहाँ छात्र मुश्किल सवाल पूछने से न हिचकिचाएँ, भले ही उनका जवाब असहज करने वाला हो... कानून हमें लगातार ऐसी स्थितियों में डालता है जहाँ एक व्यक्ति की आज़ादी दूसरे की आज़ादी से टकराती हुई लग सकती है, जहाँ सत्ता के इस्तेमाल और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संतुलन बनाना ज़रूरी होता है, और जहाँ किसी स्थापित मान्यता की संवैधानिक सिद्धांतों के आधार पर समीक्षा करनी पड़ सकती है।

सुभाष चंद्रा रिपेमेंट सेटलमेंट मामले में घिरे, विवाद बढ़ा, NCLAT के फैसले को चुनौती देंगे बैंक

ब्यूरो। ज़ी ग्रुप और एस्सेल ग्रुप के संस्थापक सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवालिया कार्यवाही से जुड़ा विवाद अब और बढ़ गया है। LIC Housing Finance, Canara Bank और Union Bank of India ने NCLT के उस फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है, जिसमें चंद्रा के रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दी गई थी। इस प्लान के तहत करीब ?22,006.57 करोड़ के स्वीकार किए गए दावों के मुकाबले महज ?6.25 करोड़ का भुगतान प्रस्तावित है। तीनों वित्तीय संस्थानों ने कहा है कि उन्होंने NCLT में चंद्रा के रिपेमेंट प्लान का विरोध किया था और इसके खिलाफ वोट भी दिया था। इन तीनों की संयुक्त वोटिंग हिस्सेदारी महज 8.45 फीसदी थी। इसमें Canara Bank की हिस्सेदारी 1.60 फीसदी, nion Bank की 0.76 फीसदी और LIC Housing Finance की 6.09 फीसदी है। LIC Housing Finance ने कहा है कि वह अन्य सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) में तत्काल अपील दाखिल करेगी। उसका कहना है कि दूसरे वित्तीय कर्जदाताओं के 80.81 फीसदी वोट प्लान के पक्ष में जाने के कारण इसे मंजूरी मिल गई। Canara Bank ने भी कहा है कि उसने प्लान का विरोध किया था और NCLT के आदेश को NCLAT में चुनौती देगा। बैंक ने मामले की फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग भी की थी, लेकिन उसकी अल्पमत वोटिंग हिस्सेदारी के कारण यह प्रस्ताव मंजूर नहीं हो सका। Union Bank ने भी कहा कि उसने दूसरे सरकारी संस्थानों के साथ प्लान को खारिज किया था और NCLT में इसका विरोध किया था। बैंक के मुताबिक, कुछ निजी कर्जदाताओं के बहुमत के कारण योजना को मंजूरी मिल गई और अब वह इस फैसले को NCLAT में चुनौती देगा। इस मामले में सिर्फ सरकारी वित्तीय संस्थान ही असहमत नहीं हैं। HDFC Bank भी NCLT के आदेश के खिलाफ NCLAT जाने पर विचार कर रहा है। बैंक ने कहा था कि उसने भी रिपेमेंट प्लान के खिलाफ वोट दिया था, लेकिन बहुमत के कारण योजना मंजूर हो गई। HDFC Bank के मुताबिक, NCLT के आदेश में उसके कुल दावे का केवल 3.2 फीसदी हिस्सा स्वीकार किया गया है। बैंक ने यह भी बताया कि संबंधित लोन सुविधा उसे HDFC से विलय से पहले मिली थी। दिलचस्प बात यह है कि जिस Indiabulls Housing Finance की याचिका से चंद्रा की व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू हुई थी, उसने NCLT के फैसले को चुनौती नहीं देने का फैसला किया है। कंपनी अब Samaan Capital के नाम से जानी जाती है। Samaan Capital का कहना है कि चंद्रा से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं को दिए गए लोन सिक्योर्ड नेचर के थे और कंपनी ने अपनी वसूली तथा प्रवर्तन कार्रवाई के जरिए मूल रूप से वितरित रकम से अधिक राशि हासिल कर ली है। Indiabulls Housing Finance ने 2022 में करीब ?170 करोड़ के Vivek Infracon लोन के मामले में चंद्रा के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू की थी। इस लोन की व्यक्तिगत गारंटी चंद्रा ने दी थी। NCLT ने अप्रैल 2024 में उनके खिलाफ व्यक्तिगत insolvency proceedings स्वीकार की थीं। NCLT ने 25 अगस्त को सुभाष चंद्रा के रिपेमेंट प्लान को मंजूरी दी थी।

जंतर-मंतर जनचेतना का आधुनिक प्रतीक, समाज मुद्दों के आधार पर करता है समर्थन : सुरेंद्र कुमार गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के इंद्रप्रस्थ प्रांत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय समाज की विशेषता रही है कि वह किसी व्यक्ति या संगठन के बजाय मुद्दे और उद्देश्य के आधार पर अपना समर्थन तय करता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का जंतर-मंतर इस सामाजिक चेतना का आधुनिक प्रतीक बनकर उभरा है, जहां समय-समय पर भ्रष्टाचार, पेपर लीक, सामाजिक न्याय और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर लोग अपनी आवाज उठाते रहे हैं। एक विचार लेख में गुप्ता ने कहा कि भारतीय इतिहास में भी समाज ने आवश्यकता के समय उभरने वाले नेतृत्व को समर्थन दिया है। उन्होंने महाराणा प्रताप, विजयनगर साम्राज्य और छत्रपति शिवाजी महाराज का उदाहरण देते हुए कहा कि इन प्रयासों को व्यापक सामाजिक समर्थन इसलिए मिला, क्योंकि वे किसी बड़े उद्देश्य और सामूहिक आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करते थे। उनके अनुसार, शिवाजी महाराज ने सीमित संसाधनों के बीच हिंदवी स्वराज्य का संकल्प सामने रखा और समाज ने उस विचार को स्वीकार कर समर्थन दिया।

गुप्ता ने गुरु तेग बहादुर और गुरु गोबिंद सिंह के संघर्ष तथा भक्ति आंदोलन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान और गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा की स्थापना धार्मिक स्वतंत्रता और व्यापक सामाजिक मूल्यों की रक्षा से जुड़े उदाहरण हैं। इसी तरह तुलसीदास, चैतन्य महाप्रभु, मीराबाई, कबीर और रविदास जैसे संतों ने बिना किसी राजनीतिक शक्ति के समाज पर व्यापक प्रभाव डाला।उन्होंने कहा कि आज भी समाज किसी नाम या पद के पीछे चलने के बजाय ऐसे विचार और उद्देश्यों का समर्थन करता है, जो राष्ट्रहित, समाजहित और सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप हों। जंतर-मंतर पर होने वाले आंदोलनों में भी कई बार मुद्दे की विश्वसनीयता नेतृत्व की प्रसिद्धि से अधिक प्रभावी साबित होती है।

गुप्ता के अनुसार, लोकतंत्र में जागरूक और स्वतंत्र सोच रखने वाला समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, जनचेतना को सकारात्मक दिशा देना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक भागीदारी का उद्देश्य केवल असंतोष व्यक्त करना नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान और संस्थाओं को मजबूत करने में योगदान देना होना चाहिए।उन्होंने कहा कि नेतृत्व और संगठन समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन राष्ट्रहित और समाजहित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उनके मुताबिक, जब समाज किसी उद्देश्य को उचित और आवश्यक मानता है तो सामान्य व्यक्ति भी प्रभावी नेतृत्व के रूप में उभर सकता है। यही स्वतंत्र सामाजिक चेतना भारतीय लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक जीवन की महत्वपूर्ण शक्ति है।यह मूल सामग्री के विचार-लेख वाले स्वरूप को समाचार शैली में बदलकर तैयार किया गया है। इसमें लेखक के दावों को तथ्य के रूप में स्थापित करने के बजाय उनके विचार के रूप में रखा गया है, ताकि खबर अधिक संतुलित और प्रकाशित योग्य रहे।

खाते में पूरा वेतन डालकर नकद वापस लेने का आरोप, भारतीय मजदूर संघ ने श्रम मंत्री को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

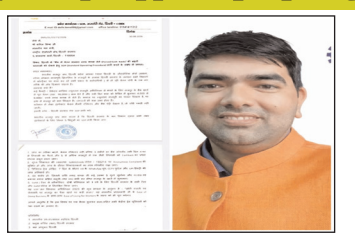

नई दिल्ली। दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों और विभिन्न सरकारी विभागों में ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन से कथित तौर पर एक नए तरीके से राशि वापस लेने का मामला सामने आया है। भारतीय मजदूर संघ, दिल्ली प्रदेश ने इस संबंध में दिल्ली सरकार के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।संघ के महामंत्री डॉ. दीपेन्द्र चाहर ने आरोप लगाया कि कुछ फैक्ट्री और ठेकेदार मजदूरों के बैंक खातों में न्यूनतम मजदूरी के अनुसार पूरी रकम जमा कराते हैं, लेकिन बाद में कर्मचारियों को बुलाकर उसका एक हिस्सा नकद वापस लेने का दबाव बनाया जाता है। उनके अनुसार, कई मामलों में खाते में करीब 18 हजार रुपये जमा करने के बाद चार से छह हजार रुपये तक वापस लिए जाने की शिकायतें सामने आई हैं।संघ का कहना है कि इस तरह कागजों में मजदूर को पूरी न्यूनतम मजदूरी मिलने का रिकॉर्ड तैयार हो जाता है, जबकि वास्तविक रूप से उसके हाथ में कम राशि पहुंचती है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि इससे भविष्य निधि समेत अन्य श्रम संबंधी लाभों पर भी असर पड़ सकता है।भारतीय मजदूर संघ ने बवाना, नरेला, ओखला, मायापुरी और झिलमिल सहित दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों में ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों से जुड़ी शिकायतों की जांच की मांग की है। संघ ने श्रम विभाग की जांच प्रक्रिया में बदलाव का सुझाव देते हुए केवल वेतन रजिस्टर के बजाय कर्मचारियों के पिछले तीन महीने के बैंक खातों का विवरण और वेतन मिलने के तुरंत बाद की गई निकासी के पैटर्न की जांच करने की मांग की है। संगठन ने एक से अधिक कर्मचारियों के खातों में समान तरीके से राशि वापस लिए जाने को भी जांच का आधार बनाने का सुझाव दिया है।इसके अलावा संघ ने शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखने, डिजिटल माध्यमों से उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करने और दोषी पाए जाने वाले नियोक्ताओं से वापस ली गई राशि की वसूली के साथ भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा से संबंधित बकाया राशि ब्याज सहित जमा कराने की मांग की है। संघ ने गंभीर मामलों में संबंधित प्रतिष्ठानों को दिल्ली सरकार के ठेकों और सरकारी ई-खरीद व्यवस्था से कुछ समय के लिए बाहर रखने का भी सुझाव दिया है।संघ ने श्रम विभाग से इस मामले में औद्योगिक क्षेत्रों और ठेका कर्मचारियों के बीच शिकायतों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

मेहराज से राजनीतिक संदेश भेजने की तैयारी में सीएम भगवंत मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रामपुरा फूल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान 7 सितंबर को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण गांव मेहराज का दौरा करने वाले हैं। यहां वे रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के साथ जन संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है और इस विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने के बीच इस कार्यक्रम ने राजनीतिक हलकों का ध्यान भी आकर्षित किया है। मेहराज को कार्यक्रम स्थल के रूप में चुनने का महत्व मेहराज सिद्धू भाईचारे का पैतृक गांव होने के कारण मुख्यमंत्री के लिए राजनीतिक महत्व रखता है। ऐसे में यहां जन संवाद आयोजित करने का निर्णय भगवंत मान के दौरे को और महत्वपूर्ण बनाता है तथा गांव की ऐतिहासिक एवं राजनीतिक प्रासंगिकता को सामने लाता है। मेहराज पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का भी पैतृक गांव है। वर्तमान में रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बलकार सिंह सिद्धू कर रहे हैं, जो इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। हालांकि जन संवाद मेहराज में आयोजित होगा, लेकिन इसका उद्देश्य पूरे रामपुरा फूल विधानसभा क्षेत्र के लोगों से संवाद करना है। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से आए लोगों को मुख्यमंत्री से सीधे मिलने तथा अपनी समस्याएं, मांगें और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। इस मंच पर स्थानीय लोग विकास कार्यों, सार्वजनिक सेवाओं और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष उठा सकेंगे।

2027 से पहले राजनीतिक रणनीति?

राजनीतिक दृष्टि से भगवंत मान का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए राजनीतिक गतिविधियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री का जनता के बीच सीधे पहुंचना जमीनी स्तर पर अपने जुड़ाव को मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है।

लुधियाना नगर निगम की वित्त एवं ठेका कमेटी चुनाव:आम आदमी पार्टी को झटका

लुधियाना। चुनाव के मुख्य बिंदुः कुल वोटः 101 पड़े वोटः 7 वैध वोटः 94 कुलवंत सिंह सिद्धू के पुत्र 32 वोटों के साथ जीतें गौरव भट्टी (कांग्रेस) भी चुनाव जीत गए अमन बग्गा (AAP) को हार का सामना कांग्रेस-भाजपा का निशाना चुनाव नतीजों से साफ कांग्रेस और भाजपा ने इस आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा सियासी झटका करार दिया।

दलजीत सिंह ग्रेवाल 'भोला' का बयान कांग्रेस और भाजपा इकट्ठे होकर चुनाव लड़ी हैं, जबकि AAP ने चुनाव पाबंदी और कानूनी दांव के साथ करवायी है। सभी डिप्टी मेयर और लूट विरोधी आगे भी डटकर लड़ेंगे। कुलवंत सिंह सिद्धू का बयान यह जीत लोगों के भरोसे और प्यार की जीत है। भले अमन बग्गा चुनाव हार गए हैं, पर लोकतंत्र में लोगों का फैसला सबसे बड़ा होता है।

असम विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। भारत के हर राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत असम के सिलचर स्थित असम विश्वविद्यालय में 30 अगस्त, रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। शारीरिक स्वास्थ्य, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी के साथ विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का भी समापन हुआ। समारोह के पहले दिन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत ने महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी और 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह के दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। दिन की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से शारीरिक क्षमता, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को विश्वविद्यालय जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अलग-अलग विभागों के करीब 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिताओं में छात्र एवं छात्राओं के लिए 100 मीटर दौड़ आयोजित की गई। छात्रों की रिले दौड़ में तेज गति और सटीक बैटन हस्तांतरण ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। वहीं, छात्राओं के लिए आयोजित चम्मच में गेंद रखकर दौड़ प्रतियोगिता भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। दिन का मुख्य आकर्षण स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संयुक्त टीम तथा शोधार्थियों की टीम के बीच फुटबॉल मुकाबला रहा। अनुकूल मौसम में खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। मैदान के बाहर सहपाठियों के उत्साहपूर्ण समर्थन ने माहौल को और जीवंत बना दिया। अंततः स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संयुक्त टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शोधार्थियों की टीम को 4-0 से पराजित किया। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्पोर्ट्स बोर्ड की निदेशक प्रो. एम. तिनेश्वरी देवी, उपनिदेशक डॉ. तपोधीर आचार्य, सहायक निदेशक डॉ. सिद्धार्थ शर्मा तथा सदस्य एवं नेटवर्किंग इंजीनियर के. आनंद कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने खन्ना से शुरू किया विशेष सफाई अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना। पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश को साफ-सुथरा बनाने के उद्देश्य से 29 अगस्त से 7 सितंबर तक 'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने आज नगर परिषद खन्ना कार्यालय से सफाई अभियान की शुरुआत की। कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा राज्य के शहरों को देश के सबसे स्वच्छ और सुंदर शहरों में बदलने के लिए बड़े स्तर पर सफाई अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पंजाब के हर छोटे-बड़े शहर को स्वच्छता का मॉडल बनाना है, ताकि प्रदेश के नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। इस पहल के माध्यम से पंजाब को देश के स्वच्छता मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की सभी नगर निगमों और नगर परिषदों के अधीन आने वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी के तहत इस अभियान की शुरुआत खन्ना शहर से की गई है। यह सफाई अभियान कुल 10 दिनों तक चलेगा। इस दौरान कूड़ा-कचरा फेंके जाने वाले स्थानों का विशेष रूप से निरीक्षण किया जाएगा। अभियान के बाद भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन स्थानों पर दोबारा कूड़ा न फेंका जाए। तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि प्रशासन द्वारा इन 10 दिनों के सफाई अभियान के दौरान प्रत्येक कार्य की बारीकी से निगरानी की जाएगी। विशेष रूप से अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) लुधियाना अमित बैंबमी ने स्वयं जिम्मेदारी ली है कि वह खन्ना शहर की साफ-सफाई के कार्य की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे। इसके बाद खन्ना शहर की सुंदरता में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी इस अभियान का केंद्रीय हिस्सा हैं और उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मंत्री सौंद के अनुसार मशीनें भारी काम संभालेंगी, जबकि सफाई कर्मचारी बारीकी से किए जाने वाले कार्यों को पूरा करेंगे। इससे न केवल सफाई कार्य की गति तेज होगी, बल्कि कर्मचारियों की मेहनत भी कम होगी और उनकी कार्यक्षमता मजबूत होगी। सड़कें और आसपास के क्षेत्र साफ होने के साथ ही डीप क्लीनिंग की जरूरत भी कम होती जाएगी। कैबिनेट मंत्री सौंद ने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान खन्ना शहर के चौकों में कूड़े के ढेर लगे रहते थे। वर्ष 2022 में पंजाब में हमारी सरकार बनने के बाद खन्ना शहर के चौकों से इन कूड़े के ढेरों को उठवाकर सफाई करवाई गई थी। उन्होंने कहा कि खन्ना शहर की साफ-सफाई का काम पहले से ही शुरू करवा दिया गया था और अब शहर को स्वच्छता के साथ-साथ सुंदरता की दिशा में आगे ले जाया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) लुधियाना अमित बैंबमी, उप मंडल मजिस्ट्रेट खन्ना स्वाति टिवाणा, कार्यसाधक अधिकारी चरनजीत सिंह, नगर परिषद खन्ना के प्रधान जतिंदर पाठक, वरिष्ठ उपप्रधान हरीश गुप्ता, उपप्रधान करमजीत सिंह सिफ्ती, जिला परिषद सदस्य मास्टर अवतार सिंह दैहिड्डू, नगर परिषद खन्ना के पार्षद, नेता और शहरवासी उपस्थित रहे।

श्रीभूमि जिला के दुल्लभछड़ा में 'मन की बात' कार्यक्रम सफल।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनने के लिए देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बीच श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में भी लोगों में खासा उत्साह और बड़ी संख्या में उपस्थिति देखने को मिली। दुल्लभछड़ा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के से पाटियाला जीपी के अंतर्गत 117 नंबर पोलिंग स्टेशन पर 'मन की बात' सुनने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकर्ता तथा 117 नंबर पी.एस. इंचार्ज के रूप में दुल्लभछड़ा मंडल अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अलीम उद्दीन उपस्थित रहे। अल्पसंख्यक बहुल इस क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल बना रहा। अलीम उद्दीन के संगठनात्मक नेतृत्व और स्थानीय मोर्चा कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम बड़े आयोजन में बदल गया। प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने के लिए क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग, बुजुर्ग नागरिक और युवा वर्ग के साथ-साथ काफी संख्या में अल्पसंख्यक महिलाएं भी उपस्थित हुईं। दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों तक कार्यक्रम का संदेश आसानी से पहुंचाने के लिए सभा स्थल पर साउंड सिस्टम और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अलीम उद्दीन ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक परिवर्तन का संदेश लोगों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि 117 नंबर अल्पसंख्यक बहुल बूथ पर लोगों की स्वैच्छिक और उत्साहपूर्ण उपस्थिति क्षेत्र के लोगों की रुचि एवं उत्साह को दर्शाती है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित आम जनता, महिलाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, अल्पसंख्यक मोर्चा के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शिक्षाविद और समाजसेवी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी दोहालिया स्थित 16वीं बटालियन BSF मुख्यालय में सीमा चेतना मंच ने मनाया राखी बंधन उत्सव।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। पवित्र राखी बंधन उत्सव के अवसर पर श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी दोहालिया स्थित 16वीं बटालियन BSF मुख्यालय में सीमा चेतना मंच, पूर्वोत्तर साउथ श्रीभूमि जिला के तत्वावधान में भावपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने BSF अधिकारियों और जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं कृतज्ञता व्यक्त की। देश की सीमाओं की सुरक्षा में दिन-रात तत्पर रहने वाले BSF जवानों के प्रति आभार प्रकट करने के साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से भाईचारे, सामाजिक सौहार्द एवं आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया। राखी बांधने के बाद उपस्थित BSF अधिकारियों एवं जवानों को मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीमा चेतना मंच की ओर से चिन्मय चक्रवर्ती तथा संगठन के साउथ श्रीभूमि जिला अध्यक्ष देवाशीष चक्रवर्ती ने BSF जवानों के त्याग, कर्तव्यनिष्ठा एवं वीरता की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा में BSF के जवानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रहित की रक्षा एवं सीमा सुरक्षा के क्षेत्र में सीमा चेतना मंच द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों तथा संगठन की सामाजिक भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर सीमा चेतना मंच की ओर से श्री सुरजीत भौमिक, भरत चालिहा, रजत चक्रवर्ती, गौतम दास, दिग्विजय चक्रवर्ती, रूपम गोस्वामी, सुस्मिता दास, सबिता दास सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। वहीं, BSF के उपस्थित अधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीमा चेतना मंच की इस पहल की सराहना की। राखी बंधन के इस आयोजन में BSF जवानों एवं सीमा चेतना मंच के सदस्यों के बीच आत्मीयता और सौहार्द का सुंदर वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम ने देशभक्ति, राष्ट्ररक्षा, सीमा सुरक्षा, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव का सकारात्मक और मजबूत संदेश समाज तक पहुंचाया। यदि चाहें तो इसे मैं और अधिक प्रभावशाली अखबारी रिपोर्ट, प्रेस रिलीज़, या छोटे सोशल मीडिया न्यूज़ पोस्ट के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

जालंधर में 'हमारे राम' नाटकीय एवं संगीत प्रस्तुति को मिला भरपूर जनसमर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। पंजाब सरकार की पहल पर आयोजित शानदार नाटकीय एवं संगीत प्रस्तुति 'हमारे राम' को जालंधर में दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला। सी.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, शाहपुर कैंपस में आयोजित इस प्रस्तुति को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पंजाब के मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा ने जालंधर में आयोजित 'हमारे राम' नाटक के दूसरे दिन दर्शकों के बीच शामिल होकर शो का आनंद लिया। इस अवसर पर डिवीजनल कमिश्नर रामवीर, अमित कुमार आईएएस, डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया, डीआईजी जालंधर रेंज नवीन सिंगला, पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह, चेयरमैन पंजाब एग्री एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन मंगल सिंह बसी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा ने पंजाब सरकार द्वारा प्रदेशभर में इस तरह के शानदार शो आयोजित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से लोगों को नाटक के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जालंधर में 'हमारे राम' का मंचन लोगों के लिए जीवनभर याद रहने वाला अवसर है। प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा, राहुल आर. भुच्चर तथा अन्य प्रतिभाशाली कलाकारों की टीम द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जा रही है। यह नाटक रामायण में वर्णित भगवान राम के जीवन, चरित्र, आदर्शों और दर्शन को बेहद सुंदर ढंग से जीवंत करता है। मुख्य सचिव ने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि ज्ञान और जीवन जीने की कला का स्रोत है। यह मनुष्य को सत्य, धर्म, दया, त्याग, कर्तव्य और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी से अपील की कि वे रामायण के गहरे संदेश को समझें और इसमें दर्शाए गए उच्च जीवन मूल्यों को अपनाकर अपने जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करें।